वर्ष : 34 | अंक : 372 | मुंबई, शनिवार, 21 मार्च 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

ब्रीफ न्यूज़

बौद्धिक दिव्यांगों के मामले में दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र

नई दिल्ली। राज्यसभा में एक लिखित उत्तर के दौरान सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने जानकारी दी कि 2011 की जनगणना के अनुसार देश भर में बौद्धिक दिव्यांगों की कुल संख्या 15,05,964 है। इस सूची में उत्तर प्रदेश 1,81,342 व्यक्तियों के साथ पहले स्थान पर है, जबकि महाराष्ट्र 1,60,209 की संख्या के साथ दूसरे और पश्चिम बंगाल 1,36,523 की संख्या के साथ तीसरे स्थान पर काबिज है। केंद्र सरकार इन आंकड़ों को व्यवस्थित करने और दिव्यांगजनों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए 'विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र' (UDID) परियोजना पर तेज़ी से काम कर रही है, ताकि एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार किया जा सके और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुँच सके।

सरकार ने ब्लॉक किए 300 अवैध बेटिंग वेबसाइट्स-एप

नई दिल्ली। सरकार ने अवैध ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 300 वेबसाइट्स-एप्स को ब्लॉक किया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक अब तक कुल 8400 ऐसे प्लेटफॉर्म्स पर बैन लगाया जा चुका है। इनमें से करीब 4900 वेबसाइट्स ऑनलाइन गेमिंग एक्ट लागू होने के बाद ब्लॉक की गई हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक जिन प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई की गई है, वे मुख्य रूप से अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े थे। इनके जरिए बड़े स्तर पर अवैध लेनदेन और जुए को बढ़ावा मिल रहा था। इसे रोकने के लिए आईटी एक्ट और अन्य संबंधित कानूनों के तहत लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। ऑनलाइन गेमिंग एक्ट लागू होने के बाद इस तरह के प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई में तेजी आई है। सरकार का दावा है कि यह कदम डिजिटल स्पेस को सुरक्षित बनाने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए उठाया गया है।

कांग्रेस ने क्रॉस वोटिंग में एक और विधायक को नोटिस भेजा

चंडीगढ़। कांग्रेस ने हरियाणा के अपने एक विधायक को हाल में हुए राज्यसभा चुनावों में कथित 'क्रॉस-वोटिंग' के आरोप में शुक्रवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया। पार्टी ने इससे पहले राज्य के चार अन्य विधायकों को भी इसी तरह के नोटिस जारी किए थे। कांग्रेस की प्रदेश इकाई अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति के अध्यक्ष धर्मपाल मलिक ने रतिया से विधायक जरनैल सिंह को नोटिस सौंपा। समिति के सदस्य सचिव रोहित जैन ने इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि चुनाव के दौरान सिंह के आचरण के संबंध में कार्रवाई की गई है।

लड़ाई खाड़ी में...संकट थाली में

- पेट्रोल से लेकर ऑनलाइन खाना तक महंगा
- आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में 15 फीसदी बढ़ोतरी के आसार
- इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी सामान और पैकेजिंग का सामान जल्द हो सकता है महंगा

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में चल रही जंग का असर अब भारत में आम लोगों की जेब पर साफ दिखने लगा है। सबसे पहले असर फ्यूल की कीमतों पर पड़ा है, जहां प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए गए हैं। सरकारी तेल कंपनियों ने इसकी कीमतों में करीब 2 से 2.5 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है, जिससे हाई-परफॉर्मेंस गाड़ियों वाले लोगों को झटका लगा है। इसी बीच ऑनलाइन खाना मंगवाना भी महंगा हो गया है। Zomato ने अपनी डिलीवरी फीस में बढ़ोतरी कर दी है। अगर युद्ध ज्यादा लंबा चलता है तो कुछ वस्तुओं की कीमतों में 20 से 30 फीसदी या उससे अधिक की बढ़ोतरी देखी जा सकती है। यहां तक की इलाज करना भी महंगा हो सकता है क्योंकि युद्ध के चलते प्रभावित हो रही सप्लाई के बीच महंगी परिवहन लागत का असर पांच से सात श्रेणी की वस्तुओं की कीमतों पर सबसे पहले दिखाई देगा। आशंका है कि आने वाले कुछ दिनों में दालों, पैकेज्ड फूड, बिस्किट, दूध और रोजमर्रा का सामान पांच से 15 फीसदी तक महंगा हो सकता है।

प्रीमियम पेट्रोल 2.35 प्रति लीटर तक महंगा

सरकारी तेल कंपनियों ने आज यानी 20 मार्च को स्पीड और पावर जैसे प्रीमियम पेट्रोल की कीमतें 2.09-2.35 प्रति लीटर तक बढ़ा दी है। भोपाल में इसकी कीमत बढ़कर करीब 117 रुपए पहुंच गई है। सामान्य पेट्रोल की कीमत में बदलाव नहीं हुआ है। भारत पेट्रोलियम यानी BPCL प्रीमियम पेट्रोल को स्पीड नाम से बेचता है। वहीं हिंदुस्तान पेट्रोलियम यानी HPCL इसे पावर और इंडियन ऑइल यानी IOCL XP95 के नाम से इसे बेचता है। ये सामान्य पेट्रोल के मुकाबले करीब 10-12 रुपए महंगा होता है। इसके अलावा इंडियन ऑयल ने अपने इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमत में भी 25% की बढ़ोतरी की है। इसके दाम 87.67 प्रति लीटर से बढ़कर अब 109.59 प्रति लीटर हो गए हैं।

जोमैटो से खाना मंगवाना महंगा हुआ

फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो से खाना ऑर्डर करना अब महंगा हो गया है। कंपनी ने आज 20 मार्च से ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म फीस में 19% बढ़ोतरी की है। यूजर्स को हर ऑर्डर पर 12.50 के बजाय अब 14.90 यानी 2.40 ज्यादा प्लेटफॉर्म फीस देनी होगी। प्लेटफॉर्म फीस हर एक फूड ऑर्डर पर लागू होने वाला ऐडिशनल चार्ज हैं। ये GST, रेस्तरां चार्ज और डिलीवरी फीस से अलग है। जोमैटो रोजाना 20 से 25 लाख ऑर्डर डिलीवर करता है।

दाल : दाम बढ़ सकते हैं 12 फीसदी तक

भारत में दालों की सालाना खपत करीब 2.9 करोड़ टन है, जिसमें से करीब 70 से 75 लाख टन दालें भारत आयात करता है। शिपिंग महंगी होने से आयात लागत बढ़ रही है, जिससे अरहर, मसूर और चना दाल के दाम शुरुआती दौर में पांच से 12 फीसदी तक बढ़ सकते हैं। भारत ऑस्ट्रेलिया, कनाड़ा, म्यांमार और कई अफ्रीकी देशों से दाल का आयात करता है जो अब महंगा हो सकता है। वर्ष 2024-25 में भारत ने 67 लाख टन दालों का आयात किया था, जिसकी आयात अब महंगा हो गया है।

खाने का तेल : तत्काल पांच फीसदी महंगा होने के आसार

देश में खाद्य तेल की सालाना खपत 2.5 से 2.7 करोड़ टन है। इसमें से 16 से 17 मिलियन टन आयात किया जाता है। यानी भारत करीब 60 फीसदी से ज्यादा आयात करता है। युद्ध के कारण पाम ऑयल, सोयाबीन और सरसों तेल शुरूआती दौर में पांच फीसदी तक महंगा हो सकता हैं। युद्ध लंबा चलने पर यह बढ़ोतरी 15-25 फीसदी तक पहुंच सकती है। भारत इंडोनेशिया और मलेशिया से पाम ऑयल आयात करता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स-मशीनरी: 15 फीसदी तक महंगी होगी

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार करीब 15-18 लाख करोड़ का है, जिसमें करीब सात लाख करोड़ से ज्यादा का आयात होता है। मोबाइल, टीवी और कंप्यूटर के दाम बढ़ सकते हैं। पंखा, फ्रिज, एसी जैसे उपकरणों के लिए भारत हर साल करीब 80-85 अरब डॉलर का आयात करता है। इससे घरेलू उपकरण महंगे हो सकते हैं। जहाजों का रूट बदलने और परिवहन लागत में 20-40 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है जिससे कीमतों में भी 10-15 फीसदी या उससे अधिक बढ़ोतरी हो सकती है।

स्वास्थ्य और रोजमर्रा का सामान: पांच-15 फीसदी तक हो सकता है महंगा

भारत में फार्मा क्षेत्र बड़ा है, लेकिन उसकी कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भरता काफी ज्यादा है, जो बाहर से आयात किया जाता है। सालाना करीब 39 हजार करोड़ का कच्चा माल भारत आयात होता है लेकिन कच्चे माल की सप्लाई महंगी होने से दवाइयों की पांच कीमतें बढ़ सकती हैं। भारत करीब 22 अरब डॉलर के प्लास्टिक उत्पाद आयात करता है जिससे पैकेजिंग मेटेरियल तैयार किया जाता है।

खरात कांड में फंसी चाकणकर

- चाकणकर ने की डीजीपी दाते और सीएम से मुलाकात, दिया इस्तीफा
- मुख्यमंत्री फडणवीस ने दिया था इस्तीफे का निर्देश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/नाशिक

महाराष्ट्र के नासिक में फर्जी बाबा अशोक खरात रेप केस को लेकर मामला गरमा गया है। विपक्षी पार्टियों की तरफ से की जा रही आलोचनाओं के बीच महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रुपाली निलेश चाकणकर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले रूपाली चाकणकर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फणडवीस से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में सीएम ने रूपाली को इस्तीफा देने को कहा था। सूत्रों का कहना है कि सीएम फणडवीस ने चाकणकर से चर्चा के लिए वर्षा निवास पर बुलाया था। सीएम ने आयोग की अध्यक्ष को तुरंत पद से इस्तीफा देने को कहा था। उन्होंने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को संबोधित करते हुए पत्र लिखा है। अपने इस्तीफे में चाकणकर ने कहा है कि 15 अक्टूबर 2024 को उन्हें महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था।

अघोरी पूजा और जादू-टोना का पेंच

राकांपा के अमोल मिटकरी और रोहित पवार ने इस मामले में एक नया 'बम' फोड़ा है। मिटकरी ने आरोप लगाया कि नवंबर 2025 और जनवरी 2026 के दौरान अजित पवार के आवास के पास जो संदिग्ध वस्तुएं (जादू-टोना) मिली थीं, क्या उनका संबंध खरात से है? उन्होंने मांग की है कि उस दौरान अजित पवार के घर आने-जाने वालों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) की जांच की जाए ताकि पर्दे के पीछे के 'बाबा' और 'नेता' का सच सामने आए।

मंत्रियों को पड़ सकती है आईसीयू की जरूरत: राउत

शिवसेना सांसद संजय राउत ने इस मामले पर चुटकी लेते हुए कहा कि इस फर्जी बाबा की गिरफ्तारी से राज्य के कई मंत्री भारी तनाव में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि खरात के पास कई रसूखदार लोगों के 'आपत्तिजनक वीडियो' हो सकते हैं, जिसके डर से कई नेताओं की तबीयत बिगड़ सकती है। उन्होंने चाकणकर के नार्को टेस्ट की भी मांग का समर्थन किया।

जनता का आक्रोश और भरणे को फटकार

जब कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे ने रूपाली चाकणकर का बचाव करने की कोशिश की, तो एक किसान ने उन्हें फोन पर जमकर खरी-खोटी सुनाई। किसान का कहना था कि महिलाओं का यौन शोषण करने वाले बाबा का समर्थन करने वाले नेताओं को जनता माफ नहीं करेगी। यह ऑडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

पुलिस और कानूनी शिकंजा

अशोक खरात पर एक महिला ने यौन शोषण का मामला दर्ज कराया था, जिसके बाद जांच में उसके आश्रम में संदिग्ध गतिविधियों और अश्लील वीडियो की बात सामने आई है। डीजीपी सदानंद दाते को लिखे पत्र में चाकणकर ने खुद निष्पक्ष जांच की मांग की है, लेकिन विपक्ष इसे केवल 'बचाव की मुद्रा' मान रहा है।

महाराष्ट्र सरकार का ऑपरेशन मुस्कान

- 43 हजार से ज्यादा लापता बच्चों के चेहरे पर लौटी खुशी
- 2012 से अब तक 1.31 लाख बच्चों को ढूंढ निकाला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/नई दिल्ली

महाराष्ट्र सरकार द्वारा लापता बच्चों और महिलाओं को उनके परिवार से मिलाने के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मुस्कान' और 'ऑपरेशन शोध' के बेहद सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। राज्यसभा में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने इन अभियानों के जरिए हजारों जिंदगियां बचाने के आंकड़े पेश किए हैं। जुलाई 2015 से शुरू हुआ 'ऑपरेशन मुस्कान' अब तक 14 बार चलाया जा चुका है। इसके जरिए कुल 43,591 ऐसे बच्चों का पता लगाया गया जो अपने परिवारों से बिछड़ गए थे। हाल ही में (20 जनवरी से 20 फरवरी 2026) इसके 14वें चरण में 2,398 बच्चों को सुरक्षित बरामद किया गया है।

महाराष्ट्र पुलिस ने 95% से ज्यादा लापता बच्चों को खोजा

साल 2012 से दिसंबर 2025 तक के सरकारी आंकड़े बताते हैं कि महाराष्ट्र में कुल 1,37,211 बच्चे लापता हुए थे। इनमें से पुलिस ने 1,31,737 बच्चों को ढूंढ निकालने में सफलता हासिल की है। खास बात यह है कि लापता हुई 95,104 लड़कियों में से 91,095 को खोज लिया गया है।

'ऑपरेशन शोध' : महिलाओं के लिए विशेष पहल

साल 2025 से लापता महिलाओं और लड़कियों के लिए 'ऑपरेशन शोध' की शुरुआत की गई। इसके पहले चरण (शोध-1) में ही 5,066 लापता महिलाओं और 2,067 बच्चों का पता लगाया गया। यह अभियान तीन अलग-अलग चरणों में चलाया गया था ताकि कोई भी कोना छूट न जाए।

बिल्डर की लापरवाही ने ली मासूम की जान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

गेंद निकालने गया 8 वर्षीय दिव्यांश खड्डे में डूबा

मलाड (पूर्व) इलाके में एक निर्माण स्थल पर लापरवाही ने 8 वर्षीय मासूम दिव्यांश राजेश मौर्य की जान ले ली। कुरार विलेज के अंबेवाड़ी स्थित चगन पटेल चाल में हुई इस घटना ने बिल्डर की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना 19 मार्च 2026 की रात करीब 8 बजे हुई। 8 वर्षीय दिव्यांश खेलते समय अपनी गेंद पास के एक निर्माण स्थल के गड्ढे में गिरते देख उसे निकालने गया था। माउली बिल्डर द्वारा खोदा गया यह गड्ढा बारिश या रिसाव के कारण पानी से लबालब भरा था, जिसमें संतुलन बिगड़ने से दिव्यांश डूब गया। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि माउली कंस्ट्रक्शन ने निर्माण कार्य के लिए गहरा गड्ढा तो खोद दिया।

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2026

सबसे निचले स्तर पर पाकिस्तान

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत की स्थिति में सुधार ; रिपोर्ट ने जताई नई चिंता

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2026 की रिपोर्ट में एक ओर जहां दुनिया भर में आतंकवाद से होने वाली मौतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, वहीं दूसरी ओर दक्षिण एशिया समेत कई क्षेत्रों में बढ़ते तनाव ने भविष्य को लेकर चिंता भी बढ़ा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक यह सुधार ज्यादा समय तक टिकेगा या नहीं, इस पर सवाल बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में पाकिस्तान आतंकवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित देश बन गया है। यहां 1,139 लोगों की मौत हुई और 1,045 आतंकी घटनाएं दर्ज की गईं, जो पिछले एक दशक में सबसे ज्यादा हैं। यह बदलाव अचानक नहीं बल्कि लंबे समय से बढ़ती समस्या का नतीजा है।

भारत की स्थिति में सुधार

भारत इस सूची में 13वें स्थान पर है और दक्षिण एशिया में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बाद तीसरे स्थान पर है। हालांकि भारत के लिए राहत की बात यह है कि 2025 में आतंकी घटनाओं में 43% की कमी आई। पिछले 10 सालों में भारत के स्कोर में लगातार सुधार हुआ है। दक्षिण एशिया के अन्य देशों की तुलना में भारत की स्थिति बेहतर रही है।

चुनाव के विज्ञापनों के लिए पार्टियों को लेना होगा सर्टिफिकेट

एजेंसी । नई दिल्ली

चुनाव आयोग (ECI) ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। अब सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म पर किसी भी पॉलिटिकल एड से पहले मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी (MCMC) से परमिशन लेना जरूरी होगा। यह निर्देश पांच राज्यों असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनावों और छह राज्यों के उपचुनावों के लिए लागू होगा। आयोग के मुताबिक बिना प्रमाणन के कोई भी राजनीतिक विज्ञापन टीवी, रेडियो, सार्वजनिक स्थानों पर ऑडियो-वीडियो डिस्प्ले, ई-पेपर, बल्क SMS/वॉयस मैसेज, इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी नहीं किया जा सकेगा।

कैसे मिलेगा सर्टिफिकेशन?

राज्य या केंद्रशासित प्रदेश स्तर पर पंजीकृत राजनीतिक दलों को राज्य स्तरीय MCMC से अनुमति लेनी होगी, जबकि उम्मीदवारों को जिला स्तरीय MCMC में आवेदन करना होगा। साथ ही, राज्य स्तर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) की अध्यक्षता में अपील समिति भी बनाई गई है, जहां फैसलों के खिलाफ अपील की जा सकेगी।

कोर्ट रूम

पति को भी उठानी होगी रसोई की जिम्मेदारी: सुप्रीम कोर्ट

'पत्नी से शादी की है, नौकरानी से नहीं'

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक संबंधों और 'क्रूरता' की परिभाषा को लेकर एक बेहद आधुनिक और प्रगतिशील टिप्पणी की है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने स्पष्ट किया कि पत्नी कोई 'नौकरानी' नहीं है और घर के कामकाज केवल उसी की जिम्मेदारी नहीं माने जा सकते। तलाक की अर्जी पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर पत्नी खाना नहीं बनाती या घरेलू काम ठीक से नहीं करती, तो इसे पति के प्रति 'क्रूरता' नहीं माना जा सकता। बेंच ने जोर देकर कहा कि शादी एक साझेदारी है, जहाँ पति को भी रसोई संभालने और घर के कामों में हाथ बँटाने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह मामला एक ऐसे जोड़े का है जहाँ दोनों ही अच्छी प्रोफेशनल स्थिति में हैं। पति सरकारी स्कूल में शिक्षक है, जबकि पत्नी कॉलेज में लेक्चरर है। पत्नी आर्थिक रूप से इतनी मजबूत है कि उसने पति से किसी भी तरह के गुजारा भत्ता की मांग तक नहीं की है। उनकी शादी 2017 में हुई थी।

खाना नहीं बनाया और बदतमीजी की : पति

पति का दावा है कि शादी के हफ्ते भर बाद ही पत्नी का व्यवहार बदल गया। वह घर का काम करने और खाना बनाने से मना करती थी। पति ने यह भी आरोप लगाया कि पत्नी उसके माता-पिता के खिलाफ गंदी भाषा का इस्तेमाल करती थी और बच्चे के नामकरण संस्कार में उसे शामिल नहीं होने दिया।

दहेज और सैलरी पर था दबाव : पत्नी

दूसरी ओर, पत्नी ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उसे प्रताड़ित किया गया। उसके माता-पिता से नकद और सोने की मांग की गई। यही नहीं, पति और उसके घरवाले उस पर अपनी पूरी सैलरी (वेतन) उन्हें सौंपने का दबाव बनाते थे। पत्नी के अनुसार, नामकरण में पति का परिवार खुद ही शामिल नहीं हुआ था।

फैमिली कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक

शुरुआत में फैमिली कोर्ट ने पति के पक्ष में फैसला सुनाते हुए तलाक की मंजूरी दे दी थी। लेकिन हाईकोर्ट ने इस फैसले को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि छोटी-मोटी अनबन या घरेलू काम न करना क्रूरता नहीं है। हाईकोर्ट के इसी फैसले के खिलाफ पति अब सुप्रीम कोर्ट पहुँचा है, जहाँ अब दोनों को व्यक्तिगत रूप से पेश होना होगा।

3,186.60 करोड़ रुपए का बजट महासभा में पेश

नए बजट में 10 लाख की बचत बताई गई

- किसी भी प्रकार की कर वृद्धि नहीं की गई
- नए बजट में 3,186.49 करोड़ रुपए खर्च

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) का आर्थिक वर्ष 2026-27 के लिए 3,186.60 करोड़ रुपए का बजट आयुक्त अभिनव गोयल ने महासभा में पेश किया। बजट में 3,186.60 करोड़ रुपए आय और 3,186.49 करोड़ रुपए खर्च का प्रावधान है, जिससे करीब 10 लाख रुपए की बचत का अनुमान है। पिछले वर्ष के संशोधित बजट में 2,744.99 करोड़ आय और 2,172.22 करोड़ खर्च का अनुमान था। इस बजट की खास बात यह है कि इसमें किसी भी प्रकार की कर वृद्धि नहीं की गई है। हालांकि, अग्निशमन विभाग के आधुनिकीकरण और संसाधनों को लेकर कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया, जिस पर सवाल उठ रहे हैं।

3,186.60 करोड़ रुपए आय का प्रावधान

स्थायी समिति के बिना पेश हुआ बजट

राजनीतिक खींचतान के चलते स्थायी समिति का गठन अब तक नहीं हो पाया है। इसी कारण इस बार बजट सीधे महासभा में पेश किया गया, जो इसे खास बनाता है। नगरपालिका की आय का मुख्य आधार संपत्ति कर रहेगा, जिससे 600 करोड़ रुपए से अधिक वसूली का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा स्टाम्प ड्यूटी व जीएसटी से 510 करोड़, विशेष अधिनियम से 526 करोड़, पानी कर से 101 करोड़, सरकारी अनुदान से 115 करोड़ और अन्य स्रोतों से 28 करोड़ रुपए आय का अनुमान है। केंद्र व राज्य योजनाओं से 829 करोड़ रुपए से अधिक अनुदान मिलने की उम्मीद है।

सड़क और पुल परियोजनाओं पर फोकस

शहर में ट्रैफिक सुधार के लिए सड़कों के कंक्रीटीकरण, चौड़ीकरण, नए फ्लाईओवर और पुलों के निर्माण जैसे कई प्रोजेक्ट प्रस्तावित हैं। कोपर क्षेत्र में अतिरिक्त पुल सहित कई योजनाएं शामिल की गई हैं। पानी आपूर्ति सुधारने के लिए नए जल टैंक, पंपिंग सिस्टम और पाइपलाइन बिछाने की योजना है। साथ ही डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम लागू कर सप्लाई को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। 27 गांवों सहित अन्य क्षेत्रों में जल और सीवरेज परियोजनाएं भी प्रस्तावित हैं।

बॉन्ड से फंड जुटाने की तैयारी

बड़े विकास कार्यों के लिए मनपा 200 करोड़ रुपए के बॉन्ड जारी कर अतिरिक्त फंड जुटाने की योजना बना रही है। बजट पेश होते ही पार्षदों ने विभिन्न मुद्दे उठाए। शिवसेना (शिंदे गुट) के सचिन पोटे ने पार्षद निधि का जिक्र न होने पर सवाल उठाया, जबकि भाजपा के मंदार हलबे ने बजट पर चर्चा के लिए समय मांगा। सभागृह नेता वरुण पाटील ने प्रत्येक नगरसेवक को 2 करोड़ रुपए का निधि देने की मांग करते हुए लंबित कार्यों को पूरा करने पर जोर दिया।

स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक योजनाएं

नगर स्कूलों में सुविधाएं बढ़ाने, नए कक्षाओं के निर्माण, छात्रों के लिए स्वास्थ्य व खेल सुविधाएं, महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष योजनाएं तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए सार्वजनिक सुविधाओं के विकास पर जोर दिया गया है। नए उद्यान विकसित करने, पुराने बगीचों के सुधार और हरित क्षेत्र बढ़ाने की योजना बनाई गई है। कचरा प्रबंधन के लिए कचरे से ऊर्जा उत्पादन और बायो-सीएनजी प्लांट जैसे आधुनिक प्रोजेक्ट भी शामिल हैं।

श्मशान, स्वच्छता और डिजिटल पहल

शहर में स्मशान घाटों के पुनर्निर्माण, सीसीटीवी कैमरे, स्वच्छ शौचालय और अन्य नागरिक सुविधाओं के विस्तार का प्रावधान किया गया है। साथ ही प्रशासन को मजबूत बनाने के लिए डिजिटल सेवाएं, ऑनलाइन सिस्टम, व्हाट्सएप चैटबॉट और डेटा मैनेजमेंट पर जोर दिया गया है।

महाड सत्याग्रह के 100 साल

भारतीय संविधान ने सबको बराबरी का अधिकार दिया है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने चावदार झील के कायाकल्प के लिए दिए 55.80 करोड़

डीबीडी संवाददाता | रायगढ़

जिले के महाड में आयोजित ऐतिहासिक 'चावदार झील सत्याग्रह' के शताब्दी वर्ष (100 साल) के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने समानता और मानवीय गरिमा का बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के संघर्ष को याद करते हुए स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान ही देश की प्रगति का असली आधार है। 20 मार्च 1927 को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने महाड की चावदार झील का पानी पीकर सदियों पुरानी छुआछूत की परंपरा को चुनौती दी थी। आज 20 मार्च 2026 को इस घटना के शताब्दी वर्ष (100th Year) की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संघर्ष केवल प्यास बुझाने के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को सम्मान से जीने का हक दिलाने के लिए था।

55.80 करोड़ का विकास पैकेज

चावदार झील की ऐतिहासिक विरासत को सहेजने के लिए राज्य सरकार ने 55 करोड़ 80 लाख रुपए की भारी-भरकम निधि मंजूर की है। इस पैसे से झील के पानी की सफाई की जाएगी और पूरे परिसर का सौंदर्यीकरण किया जाएगा, ताकि देश-दुनिया से आने वाले पर्यटक और अनुयायी इस प्रेरणास्थल की गरिमा को महसूस कर सकें। इस ऐतिहासिक मौके पर महाड की धरती पर कई बड़े नेता मौजूद रहे, जिनमें केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले, अदिति तटकरे, उदय सामंत और संजय शिरसाट शामिल थे। सभी ने एक सुर में बाबासाहेब के 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' के नारे को दोहराया।

'संविधान तरक्की का इकलौता रास्ता'

मुख्यमंत्री फडणवीस ने जोर देकर कहा कि आज भारत जो भी तरक्की कर रहा है, वह डॉ. आंबेडकर द्वारा दिए गए भारतीय संविधान की बदौलत है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे समाज से ऊंच-नीच और भेदभाव को जड़ से खत्म करने का संकल्प लें, ताकि एक 'बराबरी वाला समाज' बन सके। मुख्यमंत्री ने एक महत्वपूर्ण तथ्य साझा किया कि 1923 में ही सार्वजनिक जल स्रोतों को सबके लिए खोलने का कानून बन गया था, लेकिन समाज के कुछ कट्टरपंथी तबकों ने इसे लागू नहीं होने दिया। इसी अन्याय को खत्म करने के लिए बाबासाहेब ने महाड की धरती को अपनी कर्मभूमि चुना और सामाजिक समानता की नींव रखी।

रेत माफिया पर जिला प्रशासन का हथौड़ा

- खाड़ी में डूबा दिए बार्ज और मशीनें, 90 लाख की संपत्ति खाक

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी में रेत माफिया के खिलाफ जिला प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी और सख्त कार्रवाई की है। केवाणी खाड़ी (क्रीक) इलाके में चल रहे अवैध उत्खनन को रोकने के लिए राजस्व विभाग ने न केवल मशीनों को जब्त किया, बल्कि मौके पर ही उन्हें नष्ट कर माफिया की कमर तोड़ दी। शुक्रवार को हुई इस कार्रवाई में प्रशासन ने रेत निकालने वाले 5 सेक्शन (मशीनें) और 8 बार्ज (नावें) जब्त कीं। माफिया दोबारा इनका इस्तेमाल न कर सके, इसलिए अधिकारियों ने करीब 80 से 90 लाख की इस संपत्ति को या तो जला दिया या फिर खाड़ी के गहरे पानी में डुबोकर पूरी तरह नष्ट कर दिया।

12 विशाल टैंकों पर चला जेसीबी

रेत माफिया ने खाड़ी से चुराई गई रेत को जमा करने के लिए किनारे पर 12 बड़े टैंक बना रखे थे। तहसीलदार अभिजीत खोले की टीम ने 3 जेसीबी मशीनों की मदद से इन सभी टैंकों को मिट्टी में मिला दिया। इस कार्रवाई से इलाके में अवैध उत्खनन करने वालों के बीच हड़कंप मच गया है। जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि जिस जमीन (सर्वे नंबर 181/B) पर रेत का स्टॉक किया जा रहा था, वह सरकारी रिकॉर्ड (सातबारा) में 'रिजर्व फॉरेस्ट' (आरक्षित वन) के रूप में दर्ज है। वन विभाग और कांडलावन (मैंग्रोव) संरक्षण इकाई अब इस अतिक्रमण के खिलाफ अलग से सख्त कानूनी मामला दर्ज करेगी। इस ऑपरेशन को बेहद गोपनीय रखा गया था। भिवंडी ग्रामीण पुलिस स्टेशन के भारी बल के साथ खरबाव, पडघा और भिवंडी के मंडल अधिकारी (पटवारी) इस टीम का हिस्सा थे।

वन मंत्री गणेश नाइक ने पेश किया तरक्की का रोडमैप

ठाणे में बनेगा नया सबवे, पेण में बसेगी तीसरी मुंबई

महाराष्ट्र को $5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने का एक लक्ष्य तय किया

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के वन मंत्री और ठाणे जिला संपर्क मंत्री गणेश नाइक ने राज्य के आगामी बजट और विकास की रूपरेखा को लेकर महत्वपूर्ण घोषणाएँ की हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में सरकार ने 2027 तक महाराष्ट्र को $5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने का एक महा-लक्ष्य तय किया है। राज्य सरकार पेण के पास 'तीसरी मुंबई' विकसित करने जा रही है, जिससे लगभग 12 लाख नए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है।

12 लाख नौकरियों का दावा

ठाणे के लोगों के लिए गायमुख और फाउंटेन के बीच एक आधुनिक सबवे बनाया जाएगा। इसके अलावा, राज्य में मेट्रो नेटवर्क को बढ़ाकर 1,200 किमी करने का लक्ष्य है, जिसमें मुंबई-नवी मुंबई एयरपोर्ट मेट्रो और पुणे मेट्रो का दूसरा फेज शामिल है।

संकट में फंसे किसानों को राहत देते हुए 2 लाख तक का कर्ज माफ करने और नियमित कर्ज चुकाने वालों को 50,000 प्रोत्साहन राशि देने का फैसला लिया गया है। 'मुख्यमंत्री बलिराजा मुफ्त बिजली योजना' के लिए 20,000 करोड़ आवंटित किए गए हैं। साथ ही, 'सौर कृषि वाहिनी 2.0' के जरिए 16,000 मेगावाट बिजली पैदा कर खेती के पंपों को दिन में भी बिजली दी जाएगी।

पर्यावरण और 'एक पेड़ माँ के नाम'

वन मंत्री गणेश नाइक ने बताया कि पर्यावरण संतुलन के लिए राज्य में 300 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री मोदी के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को घर-घर पहुँचाया जाएगा। जंगल की आग पर काबू पाने के लिए विदर्भ, कोंकण और पश्चिमी महाराष्ट्र को एक-एक हेलिकॉप्टर उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वन संपदा की रक्षा हो सके। पालघर में एशिया का 10वां सबसे बड़ा पोर्ट बनाने का काम शुरू है, जो समुद्री व्यापार में क्रांति लाएगा। एनर्जी सेक्टर में हर जिले में MSEB सेंटर खोले जाएंगे, जिससे करीब 50 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से काम मिलेगा। नदियों को जोड़ने वाले प्रोजेक्ट्स (जैसे वैनगंगा-नलगंगा और दमनगंगा-गोदावरी) के लिए हजारों करोड़ रुपए दिए गए हैं, जिससे सिंचाई और पीने के पानी की किल्लत दूर होगी।

डिजिटल एग्रीकल्चर और कनेक्टिविटी

एग्रीस्टैक और महा-डीबीटी जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए खेती को हाई-टेक बनाया जा रहा है। 'महाराष्ट्र अमृतकाल रोड डेवलपमेंट स्कीम' और 'मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना' के तहत दूर-दराज के गाँवों को शहरों से जोड़ा जाएगा, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। सांगली और कोल्हापुर में बाढ़ नियंत्रण के लिए वर्ल्ड बैंक की मदद से विशेष प्रोजेक्ट चलाए जाएंगे।

कलवा अस्पताल के हॉस्टल में नरक जैसे हालात

विधायक संजय केलकर ने अधिकारियों को लताड़ा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों के हॉस्टल की बदहाली का मामला अब तूल पकड़ चुका है। विधायक संजय केलकर के औचक निरीक्षण के बाद अस्पताल प्रशासन और ठेकेदारों की लापरवाही खुलकर सामने आई है, जहाँ 'मसीहा' खुद बीमार पड़ने की कगार पर हैं। विधायक संजय केलकर ने जब हॉस्टल का दौरा किया, तो वहाँ के हालात देखकर दंग रह गए। हर तरफ कचरे के ढेर, शौचालय में गंदगी और पीने के पानी की बेहद खराब व्यवस्था मिली। डॉक्टरों ने शिकायत की कि हॉस्टल में इतनी बदबू रहती है कि वहाँ सांस लेना भी मुश्किल है, जिससे रेजिडेंट डॉक्टरों के खुद बीमार होने का खतरा बढ़ गया है। हॉस्टल में रहने वाले छात्रों और डॉक्टरों के पास सोने के लिए पर्याप्त बेड (Beds) तक नहीं हैं। कई बार प्रशासन को लिखित शिकायत देने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। विधायक ने डीन डॉ. स्वप्नाली कदम से सीधे मुलाकात की और पूछा कि आखिर इन बुनियादी सुविधाओं के बिना डॉक्टर अपनी सेवाएं कैसे दे पाएंगे? मीडिया से बात करते हुए विधायक केलकर ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सफाई और रखरखाव का काम देखने वाले ठेकेदार खुद को 'नगर निगम का दामाद' समझ रहे हैं, जिन्हें किसी का डर नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि मनपा प्रशासन भ्रष्टाचार की आंखों पर पट्टी बांधकर बैठा है और घटिया काम करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। प्रशासन द्वारा सुरक्षा के नाम पर केवल CCTV कैमरे लगाने पर भी विधायक ने सवाल उठाए।

नो पार्किंग का चालान पड़ा महंगा

गोवा से बाइक चुराने वाला शातिर अपराधी उल्हासनगर में गिरफ्तार

डीबीडी संवादाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर पुलिस की सतर्कता और एक 'ई-चालान' के मैसेज ने गोवा से चोरी हुई मोटरसाइकिल के मामले का पर्दाफाश कर दिया है। ठाणे जिले के एक शातिर अपराधी को पकड़ने में ट्रैफिक पुलिस के कांस्टेबल संतोष भोइर की सूझबूझ ने अहम भूमिका निभाई। अक्सर लोग ट्रैफिक चालान के मैसेज को अनदेखा कर देते हैं, लेकिन कांस्टेबल संतोष भोइर ने 'नो पार्किंग' के ई-चालान मैसेज का गहराई से पीछा किया। जब बाइक के असली मालिक को गोवा में चोरी हुई गाड़ी का चालान मुंबई के पास उल्हासनगर में कटने का मैसेज मिला, तो पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस के जरिए आरोपी का ठिकाना ढूंढ निकाला।

गिरफ्तार आरोपी का नाम लक्ष्मण उर्फ आदित्य तुकाराम घुडे (निवासी मुरबाद) है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, यह कोई मामूली चोर नहीं बल्कि एक खूंखार अपराधी है। इसके खिलाफ ठाणे

जिले के किन्हावली और मुरबाद थानों में हत्या (302) और हत्या के प्रयास (307) जैसे कुल 26 गंभीर मामले दर्ज हैं।

10 मामलों में था फरार

हैरानी की बात यह है कि लक्ष्मण पिछले काफी समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था। वह करीब 8 से 10 अपराधों में 'वांटेड' यानी फरार चल रहा था। गोवा से हीरो स्प्लेंडर प्लस (MH 09/FM 4035) चोरी करने के बाद वह ठाणे जिले में इसे बेधड़क चला रहा था, लेकिन एक छोटी सी ट्रैफिक गलती ने उसे जेल पहुँचा दिया। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की मोटरसाइकिल जब्त कर ली है, जिसकी कीमत करीब 60,000 बताई जा रही है। अब उसके खिलाफ उल्हासनगर थाने में नई धाराओं (आईपीसी 121(1) और 303(2)) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश शिरसाथ के मार्गदर्शन में हुई इस कार्रवाई के बाद पुलिस को शक है कि आरोपी वाहन चोरी के बड़े सिंडिकेट का हिस्सा हो सकता है।

तेज रफ्तार बाइक का कहर, बुजुर्ग की मौत, युवक गंभीर घायल

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

देवजी नगर इलाके में 18 मार्च को तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से एक बुजुर्ग की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान राम खिलावन यादव (60) के रूप में हुई है, जो गोविंद नगर के निवासी थे और मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के रहने वाले थे। वह दूध के कारोबार से जुड़े थे और घटना के समय सेंट्रल बैंक की ओर पैदल जा रहे थे। इसी दौरान MH-04-JA-7191 नंबर की बजाज पल्सर बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में हरिश श्याम लाल यादव (22) भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मुंबई के केईएम अस्पताल रेफर किया गया।

महापौर ने खारिज किया अंबेडकर प्रतिमा हटाने का प्रस्ताव

- श्मशान भूमि में बिना अनुमति लगी है मूर्ति

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

शांतिनगर श्मशान भूमि में स्थापित डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा को लेकर विवाद गहरा गया है। बिना किसी आधिकारिक अनुमति के लगाई गई इस प्रतिमा को स्थानांतरित करने के प्रस्ताव को महापौर अश्विनी निकम द्वारा बिना चर्चा किए खारिज किए जाने से दलित समुदाय और सामाजिक कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है।

उल्हासनगर-3 के शांतिनगर श्मशान भूमि में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की एक प्रतिमा स्थापित की गई है। सामाजिक कार्यकर्ता राज असरोंडकर और श्याम गायकवाड़ का तर्क है कि श्मशान या कब्रिस्तान जैसी जगहों पर अक्सर नशाखोरों और असामाजिक तत्वों का आना-जाना रहता है। ऐसे में प्रतिमा की गरिमा बनाए रखने के लिए इसे किसी सुरक्षित और उपयुक्त सार्वजनिक स्थान पर 'सम्मानपूर्वक' स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

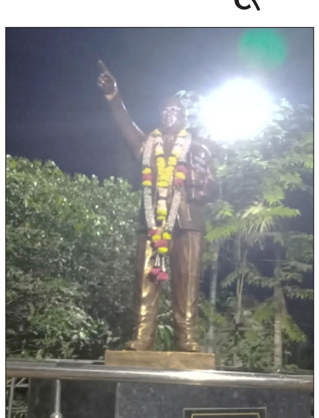

मनपा का 'बिना अनुमति' वाला कबूलनामा

उल्हासनगर महानगरपालिका ने लिखित रूप में यह साफ कर दिया है कि यह प्रतिमा नगर निगम द्वारा स्थापित नहीं की गई है और न ही इसके लिए कोई आधिकारिक सरकारी अनुमति ली गई है। इसके बावजूद, प्रतिमा वहां मौजूद है, जो प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़ा करता है। कल हुई मनपा की आम बैठक में जब इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की गई, तो महापौर अश्विनी निकम ने इसे बिना किसी बहस के सीधे खारिज कर दिया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि इतने संवेदनशील और भावनात्मक मुद्दे पर चर्चा से भागना लोकतांत्रिक नहीं है, जिससे शहर के सामाजिक वातावरण में तनाव बढ़ सकता है।

वंचित बहुजन अघाड़ी ने सदन में उठाया मुद्दा

नगरसेविका सुरेखाताई सोनवाने ने इस मुद्दे को सदन में मजबूती से उठाया। उनका मानना है कि महापुरुषों की प्रतिमाओं का अपमान न हो, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। महापौर के फैसले के बाद अब यह मामला राजनीतिक रंग ले चुका है और आने वाले दिनों में आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जा सकती है। 'कायद्यने वागा' संगठन और अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे प्रतिमा हटाने के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि उसे 'उचित स्थान' पर गरिमा के साथ देखने के पक्ष में हैं। दूसरी ओर, इस पूरे विवाद पर महापौर ने अब तक मीडिया या प्रदर्शनकारियों को कोई सीधा जवाब नहीं दिया है, जिससे सस्पेंस और बढ़ गया है।

एसटी बसें अब नहीं रहेंगी घाटे में

डीजल खरीद और विज्ञापन से होगी 500 करोड़ की अतिरिक्त आय

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली एसटी को 12,000 करोड़ के भारी घाटे से उबारने के लिए परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने एक 'मेगा रिकवरी प्लान' पेश किया है। अब सरकारी बसें केवल यात्री ही नहीं ढोएंगी, बल्कि पेट्रोल-डीजल बेचकर और विज्ञापन के जरिए अपना खजाना भी भरेंगी। एसटी के लिए सबसे बड़ा खर्च ईंधन (Fuel) होता है। मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि पहले डीजल पर प्रति लीटर 2.70 की छूट मिलती थी, जिसे पारदर्शी टेंडर के जरिए अब 5.13 प्रति लीटर कर दिया गया है। इस एक फैसले से सरकार को साल भर में करीब 241 करोड़ की सीधी बचत होगी।

अब एसटी बेचेगी पेट्रोल और सीएनजी

एसटी के पास राज्य भर में कीमती 'ओपन लैंड' (खाली जमीन) है। अब इसका इस्तेमाल 100 से 110 मल्टी-मॉडल फ्यूल पंप खोलने के लिए किया जाएगा। यहाँ आम जनता के लिए पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और एलएनजी उपलब्ध होंगे। पीपीपी (PPP) मॉडल पर आधारित इस प्रोजेक्ट से सालाना 100 करोड़ की एक्स्ट्रा इनकम होने की उम्मीद है।

सूरज की रोशनी से बचत और कमाई

एसटी अपने डिपो, वर्कशॉप और स्टेशनों की छतों का इस्तेमाल सोलर प्रोजेक्ट के लिए करेगी। इससे न केवल बिजली का बिल कम होगा, बल्कि अतिरिक्त बिजली बेचकर साल में 10 से 15 करोड़ की कमाई भी होगी। इसके अलावा, पुराने वाहनों को कबाड़ (Scrapping) में बेचकर और एआई के जरिए ड्राइवरों की ड्यूटी मैनेज कर कुल 500 करोड़ जुटाने का इरादा है।

एआई (AI) पकड़ेगा तेल चोरों को

एसटी में तेल की हेराफेरी एक पुरानी समस्या है। आंकड़ों के अनुसार, हर 100 लीटर पर 4 से 5 लीटर तेल गायब हो जाता है। इसे रोकने के लिए सभी पंपों पर एआई आधारित सेंसर लगाए जाएंगे। यह तकनीक तेल की बूंद-बूंद का हिसाब रखेगी और किसी भी तरह की गड़बड़ी होने पर तुरंत अलर्ट करेगी।

विज्ञापन: 55 लाख यात्रियों तक पहुँच का फायदा

एसटी की बसों और 600 से अधिक स्टेशनों पर रोजाना करीब 55 लाख लोग सफर करते हैं। इस भारी भीड़ को देखते हुए डिजिटल विज्ञापन की योजना बनाई गई है। बसों के अंदर और स्टेशनों पर विज्ञापन दिखाकर अगले 5 सालों में 250 करोड़ कमाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुंबई प्रेस क्लब में जहरीली गैस बम की झूठी धमकी

घंटों तक चला सर्च ऑपरेशन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई प्रेस क्लब में शुक्रवार (20 मार्च 2026) की सुबह उस वक्त खलबली मच गई, जब एक अज्ञात ईमेल के जरिए इमारत में जहरीली गैस वाले बम होने की धमकी दी गई। हालांकि, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की घंटों चली सघन तलाशी के बाद यह कॉल पूरी तरह झूठी निकली।

नीरजा के नाम से आया खौफनाक ईमेल

शुक्रवार सुबह मुंबई प्रेस क्लब के आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक संदेश मिला। भेजने वाले ने अपना नाम 'नीरजा अजमल खान' बताया था। ईमेल में दावा किया गया था कि प्रेस क्लब की बिल्डिंग के अंदर जहरीली गैस से भरे कई छोटे विस्फोटक छिपाए गए हैं, जो दोपहर तक फट जाएंगे। धमकी मिलते ही मुंबई पुलिस एक्शन मोड में आ गई। एहतियात के तौर पर प्रेस क्लब के अंदर मौजूद सभी पत्रकारों और कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाला गया। आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी गई ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

चप्पे-चप्पे की तलाशी

बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों की मदद से पूरी इमारत के कोने-कोने को खंगाला गया। अधिकारियों ने कई घंटों तक गहन छानबीन की, लेकिन अंत में कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक बरामद नहीं हुआ। दोपहर बाद पुलिस ने इसे 'होक्स कॉल' करार दिया। मुंबई पुलिस के साथ-साथ महाराष्ट्र साइबर पुलिस भी इस मामले की जांच में जुट गई है। जिस आईपी एड्रेस से यह ईमेल भेजा गया था, उसे ट्रैक किया जा रहा है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह किसी एक व्यक्ति की शरारत है ।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव 2026

महायुति और एमवीए के बीच नंबर गेम शुरू

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद की 9 सीटों पर होने वाला आगामी चुनाव राज्य की राजनीति में एक नया मोड़ लाने वाला है। 13 मई 2026 को कार्यकाल समाप्त होने वाले सदस्यों में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का नाम सबसे प्रमुख है। महाराष्ट्र विधानसभा में 235 विधायकों के साथ महायुति (BJP, शिवसेना-शिंदे, NCP-अजित) बेहद मजबूत स्थिति में है। गणित के हिसाब से वे आसानी से 8 सीटें जीत सकते हैं (BJP-5, शिवसेना-2, NCP-1)। वहीं, महा विकास अघाड़ी (MVA) के पास फिलहाल 46 विधायक हैं, जो केवल एक उम्मीदवार को सुरक्षित रूप से जिताने के लिए काफी हैं।

उद्धव ठाकरे: लड़ेंगे या नहीं?

उद्धव ठाकरे मई 2020 में निर्विरोध चुने गए थे। अब उनका कार्यकाल 13 मई 2026 को समाप्त हो रहा है। सवाल यह है कि क्या वे दोबारा ऊपरी सदन में जाना चाहेंगे? चर्चा है कि कांग्रेस उन्हें तभी समर्थन देगी जब वे खुद उम्मीदवार होंगे। हालांकि, शिंदे गुट एक अतिरिक्त उम्मीदवार उतारकर ठाकरे की जीत को 'मुश्किल' बनाने की कोशिश कर सकता है।

कांग्रेस का हक और वडेट्टीवार का दावा

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने साफ कर दिया है कि चूंकि कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव में शरद पवार का समर्थन किया था, इसलिए विधान परिषद की यह एक सीट अब कांग्रेस के खाते में जानी चाहिए। यह मांग MVA गठबंधन के भीतर दरार पैदा कर सकती है या फिर सीट बंटवारे के नए समझौते की ओर ले जा सकती है।

क्रॉस-वोटिंग का साया

विधान परिषद चुनाव 'गुप्त मतदान' के जरिए होते हैं, जिससे 'क्रॉस-वोटिंग' का खतरा हमेशा बना रहता है। महायुति की नजर विपक्ष के उन 19 अतिरिक्त वोटों पर होगी जो जीत के कोटे (29 वोट) से ज्यादा हैं। अगर शिंदे गुट नौवां उम्मीदवार उतारता है, तो मामला 'दूसरी पसंद' के वोटों तक खिंच सकता है, जो काफी जोखिम भरा होता है। ठाकरे परिवार में आदित्य ठाकरे पहले सदस्य थे जिन्होंने सीधा चुनाव (वर्ली से विधानसभा) लड़ा। उद्धव ठाकरे ने 2019 में मुख्यमंत्री बनने के बाद MLC का रास्ता चुना था। अब आगामी विधानसभा चुनावों से पहले उनका यह फैसला तय करेगा कि MVA की कमान और एकता कितनी मजबूत है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने अमित शाह से की मुलाकात

विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा के बाद राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बारामती और राहुरी विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा के बाद भाजपा ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर दोनों सीटों की रणनीति और राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा की। दोनों विधानसभा सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना तय है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पहले ही यह संकेत दे चुके हैं कि इन सीटों पर चुनाव निर्विरोध कराने की कोशिश होनी चाहिए।

बारामती सीट को लेकर निर्विरोध चुनाव की संभावना जताई जा रही है। अजित पवार के निधन के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी और उनकी उम्मीदवारी लगभग तय मानी जा रही है। राकांपा (शरद गुट) की नेता सुप्रिया सुले पहले ही घोषणा कर चुकी हैं कि उनकी पार्टी सुनेत्रा पवार के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारेगी। ऐसे में अब कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव गुट) के रुख पर सबकी नजरें टिकी हैं।

राहुरी में टिकट पर सस्पेंस खत्म होने के आसार

राहुरी सीट पर भाजपा दिवंगत विधायक शिवाजीराव कर्डिले के बेटे अक्षय कर्डिले को उम्मीदवार बना सकती है। कर्डिले का पिछले साल अक्टूबर में निधन हो गया था, जिसके बाद यह सीट खाली हुई है।

घुसपैठ के मुद्दे पर कांग्रेस ने मांगा अमित शाह और देवेंद्र फडणवीस का इस्तीफा

12 साल की सत्ता के बावजूद घुसपैठ जारी रहना विफलता : वर्षा गायकवाड़

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के मुद्दे को बीजेपी और महापौर रितु तावड़े द्वारा उठाए जाने के बाद विपक्षी दल कांग्रेस ने पलटवार करते हुए इसे केंद्र और राज्य सरकार की सुरक्षा विफलता बताया है। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड़ ने सीधा हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र और राज्य में पिछले 12 सालों से भाजपा की सरकार है। इसके बावजूद अगर मुंबई में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठ जारी है, तो यह गृह मंत्रालय और राज्य प्रशासन की सबसे बड़ी नाकामी है। उन्होंने मुख्यमंत्री से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांगने की अपील की।

मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप

सांसद गायकवाड़ ने आरोप लगाया कि भाजपा जानबूझकर घुसपैठ का मुद्दा उछाल रही है ताकि जनता का ध्यान एलपीजी गैस की किल्लत, बढ़ती महंगाई और बंद होते छोटे व्यवसायों से हटाया जा सके। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं का ध्यान केवल विपक्ष पर हमला करने में है, जनता की समस्याओं पर नहीं।

आंकड़ों की बाजीगरी: 2004-2014 बनाम वर्तमान

कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए। उन्होंने दावा किया कि यूपीए सरकार (2004-2014) के दौरान करीब 87,000 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा गया था, जबकि भाजपा के कार्यकाल में यह संख्या न के बराबर है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मुंबई पुलिस और गृह मंत्रालय के पास घुसपैठियों की कोई आधिकारिक संख्या ही नहीं है, तो भाजपा किस आधार पर राजनीति कर रही है?

मालवणी में कार्रवाई पर सवाल

मालवणी इलाके में हाल ही में हुई तोड़फोड़ की कार्रवाई पर सचिन सावंत ने गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि घुसपैठियों के नाम पर गरीबों के मकान गिराए गए, जिनमें हिंदू और दलित समाज के लोग भी शामिल थे। इसी सिलसिले में उन्होंने राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर के इस्तीफे की भी मांग की।

युवक ने की आत्महत्या

पत्नी पर प्रताड़ना और उकसाने का आरोप, मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

खार पश्चिम इलाके में पारिवारिक कलह से परेशान एक 33 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में मृतक की पत्नी पर मारपीट और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है। खारदांडा स्थित विश्वदीप सोसायटी निवासी सुभाष यादव ने 13 जनवरी 2026 को अपने घर में आत्महत्या की थी। मृतक की मां उर्मिला यादव (55) ने 19 मार्च को खार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराते हुए बहू अनीता यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहले से कोर्ट में लंबित है मामला

सुभाष और अनीता की शादी वर्ष 2018 में हुई थी और दोनों के बीच घरेलू हिंसा का मामला बांद्रा कोर्ट में पहले से लंबित है। बताया गया है कि अनीता पिछले कुछ समय से अलग रह रही थी और हाल ही में वापस आई थी। मृतक की मां की शिकायत के आधार पर खार पुलिस ने अनीता यादव के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है।

लंबे समय से चल रहा था विवाद

शिकायत के अनुसार, सुभाष और उसकी पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। मां का आरोप है कि अनीता यादव अक्सर सुभाष के साथ मारपीट और गाली-गलौच करती थी। परिवार के पास कथित मारपीट के वीडियो भी सबूत के तौर पर मौजूद हैं। जानकारी के मुताबिक, घटना वाले दिन शाम करीब 4:30 बजे अनीता घर लौटी, जिसके बाद दंपती के बीच विवाद हुआ। आरोप है कि झगड़े के दौरान मारपीट भी हुई। इसके बाद शाम करीब 6:30 बजे जब परिवार के अन्य सदस्य घर पहुंचे, तो कमरे का दरवाजा बाहर से बंद मिला। अंदर जाकर देखा तो सुभाष पंखे से लटका हुआ था, जबकि उसका 6 वर्षीय बेटा बाथरूम में बंद मिला।

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

सिग्नलिंग कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डी.आर.एम. (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है। **निविदा संख्याः** सोला-एन-टी-2025-26-44, **कार्य का नामः** सोलापुर मंडल के ताजसुल्तानपुर और धाराशिव स्टेशनों पर माल गोदामों के विकास से संबंधित विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्य करना। **कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 79,64,927.18, **टेंडर फॉर्म की कीमतः** निल, **जमा की जाने वाली धरोहर राशिः** रु. 1,59,300/-, **कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 12 महीने, **निविदा के समापन की तिथि और समयः** 10.04.2026 को 15:30 बजे के बाद। विवरण ireps वेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र/संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल/डाक/ई-मेल, फैक्स, हस्त निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र प्राप्त करें और इसे **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत करें। बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से या बैंक गारंटी के रूप में स्वीकार किया जाएगा और मूल बैंक गारंटी निविदा दस्तावेज में निर्दिष्ट नामित अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि से पहले (अर्थात् बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि को छोड़कर) जमा करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** देखें।

DE/Sur-12 — मंडल रेल प्रबंधक, मध्य रेलवे, सोलापुर

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मध्य रेल

भुसावल मंडल

CORRIGENDUM SLIP NO. 1 to E-Tender Notice No. DRM(W)/ Bhusawal/07/2026 (E-Tender No.- DRM W bsl 07 2026 t1)

निविदाकार नीचे दिए कार्य में बदलाव देखें/ **(E-tender No. DRM W bsl 07 2026 t1) कोई बदलाव नहीं है**- कार्य का नाम, अनुमानित लागत। **1.** निम्नलिखित निविदा की निविदा बंद करने की तिथि में निम्नलिखित परिवर्तन किए गए हैं। **निविदा संख्याः** DRM W bsl 07 2026 t1, **पूर्व निर्धारित निविदा समापन तिथि एवं समयः** 02.04.2026, 15:00 hrs., **संशोधित निविदा समापन तिथि एवं समयः** 07.04.2026, 15:00 hrs. **2.** नीचे सूचीबद्ध निविदा की बोली प्रतिभूति/EMD/अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट में निम्नलिखित परिवर्तन किए गए हैं: **निविदा संख्याः** DRM W bsl 07 2026 t1, **पूर्व निर्धारित बोली प्रतिभूति/EMD/अर्नेस्ट मनी डिपॉजिटः** 3,68,100/-, **संशोधित बोली प्रतिभूति/EMD/अर्नेस्ट मनी डिपॉजिटः** 8,72,300/-, **3.** निविदा में नवीनतम करेक्शन स्लिप संख्या ACS 11 of (GCC 2022) के आधार पर आवश्यक संशोधन किए गए हैं

DE/11

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

इंजीनियरिंग कार्य

मण्डल रेल प्रबंधक (कार्य), सोलापुर भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं, **निविदा क्र.** 09-2026-SrDENS, **कार्य का नामः** **1.** एडीईएन/कलाबुर्गी (KLBG) उपखंड के अंतर्गत KLBG-KUI सेक्शन में रेलवे कॉलोनियों में पहुंच मार्ग (एप्रोच रोड) का प्रावधान। **2.** एडीईएन/कलाबुर्गी (KLBG) उपखंड के अंतर्गत वाड़ी-एमआर (Wadi-MR) सेक्शन में रेलवे कॉलोनियों में पहुंच मार्ग (एप्रोच रोड) का प्रावधान। **अनुमानित लागतः** 8,33,87,381.41, **बयाना रकमः** 5,66,900/-, **समापन की अवधिः** 12 माह, **अनुरक्षण की अवधिः** 24 माह, **www.ireps.gov.in इस वेबसाइट पर टेंडर अपलोड करने की अंतिम दिनांक और समयः** 10.04.2026 को 15:00 बजे तक, **www.ireps.gov.in इस वेबसाइट पर टेंडर खुलने की दिनांक और समयः** 10.04.2026 को 15:30 बजे। निविदाकर्ताओं से निवेदन है कि कोई बदलाव/शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय- समय पर भेंट दें।

DE/Sur-15 — मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), मध्य रेलवे, सोलापुर

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल-भिवानी के बीच विशेष ट्रेन के फेरे बढ़ाए गए

ट्रेन नंबर	प्रस्थान	गंतव्य	चलने के दिन	बढ़ाई गई तिथि तक
09001	मुंबई सेंट्रल	भिवानी	मंगलवार एवं शुक्रवार	31.07.2026
09002	भिवानी	मुंबई सेंट्रल	बुधवार एवं शनिवार	01.08.2026

यात्रा के समय, ठहराव (हॉल्ट) तथा डिब्बों की संरचना की विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in वेबसाइट पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09001 के विस्तारित फेरे के लिए बुकिंग 22.03.2026 से PRS काउंटरों एवं IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। यह ट्रेन विशेष किराए (Special Fare) के साथ विशेष ट्रेन के रूप में चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: और हमें फॉलो करें
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण

– सार्वजनिक सूचना –

महाराष्ट्र (नगरीय क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं संवर्धन अधिनियम, 1975 (जनवरी 2018 संशोधित) की धारा 8 (3) (क) के प्रावधानों के अनुसार, **परिमंडल 1** के 'ए' विभाग के 01 प्रस्ताव, **परिमंडल 2** के 'एफ/दक्षिण' विभाग के 02 प्रस्ताव, 'जी/दक्षिण' विभाग के 02 प्रस्ताव तथा 'जी/उत्तर' विभाग के 01 प्रस्ताव, इस प्रकार कुल **06** प्रस्तावों को म.न.पा. आयुक्त एवं वृक्ष प्राधिकरण समिति के अध्यक्ष द्वारा मंजूरी प्रदान की गई है।

उपरोक्त प्रस्तावों में वृक्षों की कटाई / पुनःरोपण से संबंधित विस्तृत जानकारी म.न.पा. की वेबसाइट **www.mcgm.gov.in** पर उपलब्ध है। यह जानकारी "उद्यान एवं वृक्ष प्राधिकरण दस्तावेज़" लिंक में देखी जा सकती है। संबंधित प्रस्ताव क्रमांक इस प्रकार हैं: 'एफ/दक्षिण' (1091), 'एफ/दक्षिण' (1092), 'जी/दक्षिण' (1093), 'जी/दक्षिण' (1094), 'जी/उत्तर' (1095), 'ए' (1096)।

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
वीरमाता जिजाबाई भोसले उद्यान एवं प्राणिसंग्रहालय,
दूसरी मंज़िल, हम्बोल्ट पेंगुइन कक्ष,
संत सावता माली मार्ग, भायखला (पूर्व), मुंबई – 400027
दूरभाषः 23742162 ई-मेलः sg.gardens@mcgm.gov.in

पीआरओ/3359/विज्ञा./2025-26

हस्ता/-
उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

रणनीतिक वापसी की पटकथा

मध्य-पूर्व का युद्धक्षेत्र इस समय केवल बमों और मिसाइलों की आवाज़ से नहीं, बल्कि बयानबाज़ी की गूंज से भी भरा हुआ है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का यह दावा कि ईरान अब परमाणु हथियार और मिसाइलें बनाने में सक्षम नहीं रहा, महज़ एक सैन्य घोषणा नहीं है यह एक राजनीतिक कथा गढ़ने की कोशिश भी हो सकती है। इतिहास बताता है कि जब युद्ध अपने घोषित उद्देश्यों से भटकने लगता है, तब 'विजय' की भाषा अक्सर वापसी की भूमिका लिखने लगती है। आज ठीक वही क्षण प्रतीत होता है। इस युद्ध की शुरुआत जिस आत्मविश्वास के साथ हुई थी, वह अब एक जटिल अनिश्चितता में बदल चुका है। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी सैन्य शक्ति और इजरायल आधुनिक युद्धक रणनीतियों का अग्रदूत ने शायद यह अनुमान नहीं लगाया था कि दशकों से आर्थिक प्रतिबंधों में जकड़ा ईरान इतनी लंबी और प्रभावी प्रतिरोध क्षमता दिखाएगा। ईरान ने न केवल सैन्य मोर्चे पर जवाब दिया है, बल्कि उसने इस संघर्ष को एक व्यापक भू-राजनीतिक संकट में बदल दिया है। यह वह मोड़ है जहां 'तेज़ जीत' की कल्पना 'लंबे संघर्ष' की हकीकत में तब्दील हो चुकी है। ईरान की सबसे बड़ी रणनीतिक सफलता यह रही है कि उसने युद्ध की सीमाओं को तोड़ दिया। यूएई, सऊदी अरब और ओमान जैसे देश, जो प्रत्यक्ष रूप से इस संघर्ष का हिस्सा नहीं थे, अब इसकी आग में झुलस रहे हैं। दुबई जैसे वैश्विक शहर पर खतरे का मंडराना केवल एक सैन्य घटना नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के दिल पर चोट है। इस विस्तार ने अमेरिका और इजरायल को नैतिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर घेर लिया है। अब यह युद्ध केवल 'इजरायल बनाम ईरान' नहीं, बल्कि 'स्थिरता बनाम अराजकता' का प्रतीक बन गया है—और इस अराजकता का ठीकरा अंततः उन्हीं के सिर फूट सकता है, जिन्होंने इसकी शुरुआत की। आर्थिक मोर्चे पर तस्वीर और भी भयावह है। होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान और कतर के रास लफान जैसे ऊर्जा केंद्रों पर हमले ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा की नींव हिला दी है। यह संकट अब आंकड़ों या बाजारों तक सीमित नहीं रहा; यह सीधे आम आदमी की रसोई तक पहुंच चुका है। जब युद्ध का असर पेट्रोल पंप से लेकर रसोई गैस तक महसूस होने लगे, तो वह केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय संकट बन जाता है। ऐसे में अमेरिका और इजरायल के लिए इस युद्ध को जारी रखना केवल सैन्य नहीं, बल्कि राजनीतिक आत्मघात भी साबित हो सकता है। सवाल यह नहीं है कि कौन जीत रहा है, बल्कि यह है कि कौन इस युद्ध की कीमत चुका रहा है। और जवाब स्पष्ट है—पूरी दुनिया। ऐसे में यह अनिवार्य हो जाता है कि युद्ध के बजाय संवाद को प्राथमिकता दी जाए। क्योंकि हर युद्ध, चाहे वह कितना भी 'न्यायोचित' क्यों न बताया जाए, अंततः अपने पीछे केवल विनाश, अस्थिरता और अधूरे सवाल ही छोड़ता है।

आईपीएल की मयूरपंखी : 'बिकने' का नया समाजशास्त्र

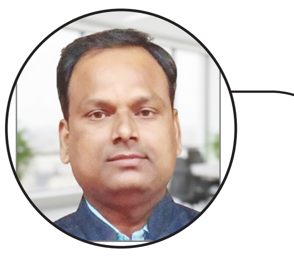

धीरज सिंह
समाचार संपादक

आईपीएल की इस मंडी ने एक ऐसी पीढ़ी तैयार की है जो मानती है कि यदि आप बिक नहीं रहे, तो आप अस्तित्वहीन हैं। 'अनसोल्ड' (Unsold) रह जाना आज के खिलाड़ी के लिए किसी सामाजिक बहिष्कार से कम नहीं है। यह सोचने वाली बात है कि क्या हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ मनुष्य की काबिलियत का एकमात्र पैमाण उसकी 'बिकने की क्षमता' होगी?

आधुनिक समय में मानवीय चेतना ने एक ऐसी करवट ली है, जहां आदर्शों की जगह आंकड़ों ने और सिद्धांतों की जगह 'प्राइस टैग' ने ले ली है। हम भले ही मंचों से नैतिकता और चरित्र की कितनी ही दुहाई दें, लेकिन कड़वा सच यह है कि आज के दौर में हर हुनर, हर जज्बे और हर पसीने की बूंद का मूल्यांकन केवल 'पैसे' के तराजू पर किया जा रहा है। इस बदलते मनोविज्ञान का सबसे चमकीला और वीभत्स उदाहरण है—आईपीएल (IPL)। यह केवल एक खेल का उत्सव नहीं, बल्कि 'इंसानी स्टॉक मार्केट' का वह तमाशा है, जहां खिलाड़ी अब केवल एथलीट नहीं, बल्कि एक 'कमोडिटी' (वस्तु) बनने की होड़ में शामिल हैं।

एक समय था जब समाज में 'बिका हुआ' होना सबसे बड़ा लांछन माना जाता था। यदि किसी व्यक्ति के बारे में कहा जाता कि वह 'बिक गया', तो इसका अर्थ होता था कि उसने अपना जमीर, अपनी आत्मा और अपनी गरिमा का सौदा कर लिया है। लेकिन आईपीएल की चकाचौंध ने इस परिभाषा को पूरी तरह पलट दिया है। आज नीलामी के उस बंद कमरे में जब लकड़ी का हथौड़ा किसी खिलाड़ी के नाम पर जोर से बजता है, तो वह शर्मिंदा होने के बजाय गर्व से भर जाता है।

आज खिलाड़ी इस बात पर गौरवान्वित महसूस करते हैं कि उन पर कितनी ऊंची बोली लगी। 20 करोड़ या 25 करोड़ में 'बिकना' अब पतन की नहीं, बल्कि सर्वोच्च सफलता की निशानी बन गया है। यह समाज की सामूहिक सोच में आया वह खतरनाक बदलाव है, जहाँ हमने मनुष्य की गरिमा को उसके 'बैंक बैलेंस' से जोड़ दिया है। आज 'बिका हुआ' होना गाली नहीं, बल्कि एक प्रतिष्ठित 'स्टेटस सिंबल' है।

खेल: अब साधना नहीं, शुद्ध व्यापार

आईपीएल ने क्रिकेट को खेल के मैदान से उखाड़कर 'कॉर्पोरेट बैलेंस शीट' के पन्नों पर ला खड़ा किया है। अब यह खेल सिर्फ दो टीमों के बीच की प्रतिद्वंद्विता नहीं रहा, बल्कि यह 'रिटर्न ऑन इनवेस्टमेंट' (ROI) का एक विशाल धंधा बन चुका है। फ्रेंचाइजी मालिक किसी खिलाड़ी को उसकी कला या खेल भावना के लिए नहीं खरीदते, बल्कि वे एक ऐसा 'असेट' खरीदते हैं जो उन्हें विज्ञापन, गेट मनी और ब्रॉडकास्टिंग राइट्स के जरिए मुनाफा कमा कर दे सके।

खिलाड़ियों के भीतर भी अब यह सोच घर कर गई है कि खेल केवल देश के लिए खेलने या रिकॉर्ड बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि 'पैसा कमाने का सबसे तेज शॉर्टकट' है। यही कारण है कि आज का युवा क्रिकेटर

घरेलू सत्र में पसीना बहाने से ज्यादा ध्यान इस बात पर देता है कि वह नीलामी में 'बिकने योग्य' कैसे दिखेगा। वह अपनी तकनीक को नहीं, बल्कि अपनी 'मार्केट वैल्यू' को निखारने में लगा है। जब खेल का मुख्य उद्देश्य केवल नोटों की गड्डियां बटोरना हो जाए, तो वहां खेल की वह पवित्रता समाप्त हो जाती है जिसे कभी 'साधना' कहा जाता था।

मूल्यों का बाजारीकरण और विज्ञापन की गुलामी

आज के दौर में हम हर मानवीय संवेदना को 'मोनेटाइज' (मुद्रीकरण) करने के आदी हो गए हैं। यदि किसी खिलाड़ी के पास अद्भुत प्रतिभा है, तो बाजार तुरंत उसकी बोली लगाता है। विडंबना यह है कि करोड़ों में बिकने के बाद खिलाड़ी स्वतंत्र नहीं रह जाता; वह उस कंपनी का 'बंधुआ मजदूर' बन जाता है जिसने उसे खरीदा है। उसे उन उत्पादों का विज्ञापन करना पड़ता है जो समाज के लिए हानिकारक हो सकते हैं, उसे उन शर्तों पर नाचना पड़ता है जो खेल की मर्यादा के खिलाफ होती हैं।

आईपीएल की इस मंडी ने एक ऐसी पीढ़ी तैयार की है जो मानती है कि यदि आप बिक नहीं रहे, तो आप अस्तित्वहीन हैं। 'अनसोल्ड' (Unsold) रह जाना आज के खिलाड़ी के लिए किसी सामाजिक बहिष्कार से कम नहीं है। यह सोचने वाली बात है कि क्या हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ मनुष्य की काबिलियत का एकमात्र पैमाण उसकी 'बिकने की क्षमता' होगी? इस बेताबी को हवा देने में सोशल मीडिया की भूमिका संदिग्ध है। खिलाड़ी अब मैदान से ज्यादा इंस्टाग्राम और एक्स (ट्विटर) पर सक्रिय रहते हैं। उन्हें पता है कि फ्रेंचाइजी के डेटा एनालिस्ट केवल उनके रन नहीं देखते, बल्कि उनके 'फॉलोअर्स' और 'रीच' भी देखते हैं। यह 'डिजिटल शोरूम' खिलाड़ियों को खुद को एक बेशकीमती उत्पाद की तरह सजाकर पेश करने का मौका देता है। परिणाम यह है कि खेल गौण हो गया है और 'सेल्फ-ब्रांडिंग' प्राथमिक।

निष्कर्ष: चमक के पीछे का नैतिक अंधेरा

आईपीएल की यह मयूरपंखी मंडी हर साल सजती है, रिकॉर्ड टूटते हैं और करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाए जाते हैं। खिलाड़ी खुश हैं कि वे 'बिक' रहे हैं, मालिक खुश हैं कि उनका व्यापार बढ़ रहा है, और दर्शक खुश हैं कि उन्हें मनोरंजन मिल रहा है। लेकिन इस सामूहिक उल्लास के बीच वह 'मानव' कहीं खो गया है जो कभी स्वाभिमान को संपत्ति से ऊपर रखता था।

आदर्शवाद की बातें अब केवल पुराने संस्मरणों और किताबों तक सीमित रह गई हैं। हकीकत के मैदान पर तो केवल वही विजेता है जिसकी बोली सबसे ऊंची लगी है। क्रिकेट का यह व्यावसायिक स्वरूप हमें चेतावनी दे रहा है कि यदि हमने समय रहते सफलता के पैमानों को नहीं बदला, तो आने वाले समय में केवल खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि हर मानवीय रिश्ता और संवेदना नीलामी की मेज पर होगी। आखिर में, खिलाड़ी बिकता भले ही करोड़ों में हो, लेकिन वह अपनी उस 'स्वतंत्रता' को खो देता है जो खेल का असली आनंद थी।

हमारी गीता

कृपा या कश्मल का द्वंद्व

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

भगवद्गीता के प्रारंभिक प्रसंग में अर्जुन की मानसिक स्थिति केवल करुणा नहीं, बल्कि गहरे आंतरिक द्वंद्व का चित्रण है। रणभूमि में खड़े अर्जुन के शरीर, वाणी और मन—तीनों स्तरों पर विषाद स्पष्ट दिखाई देता है। आँसुओं से भरी आँखें, काँपता स्वर और निराश मन यह दर्शाते हैं कि वह अपने कर्तव्य से डगमगा रहे हैं। आधुनिक मानसशास्त्र की दृष्टि से देखें तो ऐसी स्थिति में सहानुभूति अपेक्षित होती है, परंतु श्रीकृष्ण का दृष्टिकोण इससे भिन्न और अधिक गहन है।

संजय ने अर्जुन की अवस्था को "कृपा" कहा, अर्थात दया और संवेदना। किंतु श्रीकृष्ण इसे "कश्मल" अर्थात दुर्बलता और मोह बताते हैं। गीता का प्रसिद्ध श्लोक—"कुतस्त्वा कश्मलम् इदं"—इसी सत्य को उजागर करता है। यहाँ भगवान अर्जुन से प्रश्न करते हैं कि यह दुर्बलता उनमें कहाँ से आ गई। यह प्रश्न केवल जिज्ञासा नहीं, बल्कि आत्ममंथन का आह्वान है। "कुतः" का अर्थ है—यह स्थिति तुम्हारे स्वभाव के विपरीत है, तुम तो वीर, धर्मनिष्ठ और कर्तव्यपरायण हो।

श्रीकृष्ण अर्जुन को यह स्मरण कराते हैं कि रणभूमि में संबंधों की ममता और दया का स्थान नहीं, बल्कि धर्म और कर्तव्य सर्वोपरि हैं। यहाँ करुणा यदि कर्तव्य से विमुख कर

दे, तो वह गुण नहीं, बल्कि दोष बन जाती है। अहिंसा और त्याग के नाम पर अपने धर्म से पीछे हटना उचित नहीं। यही कारण है कि भगवान अर्जुन को डाँटते हैं, ताकि वे अपने वास्तविक स्वरूप को पहचान सकें।

यह प्रसंग हमें भी जीवन में आत्मचिंतन का संदेश देता है। जब हम अपने मूल स्वभाव, मूल्यों और कर्तव्यों से भटक जाते हैं, तब हमें रुककर स्वयं से पूछना चाहिए—"यह कश्मल कहाँ से आया?" जैसे सूर्य को अंधकार ढक नहीं सकता, वैसे ही सच्चा व्यक्तित्व क्षणिक मोह से नष्ट नहीं होता, केवल धुंधला हो जाता है। अतः गीता का यह संदेश स्पष्ट है—दया और संवेदना आवश्यक हैं, परंतु जब वे कर्तव्य से विमुख करें, तो वे कश्मल बन जाती हैं। हमें अपने जीवन में विवेक बनाए रखते हुए सही और गलत का निर्णय करना चाहिए। यही सच्चा धर्म है और यही आत्मविकास का मार्ग।

शख्सियत | श्री माताजी निर्मला देवी

अध्यात्म और वात्सल्य की प्रतिमूर्ति

भारतीय अध्यात्म के आकाश में श्री माताजी निर्मला देवी (निर्मला श्रीवास्तव) एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र के समान हैं, जिन्होंने योग और आत्म-साक्षात्कार की प्राचीन विद्या को जन-सामान्य के लिए सुलभ बनाया। 21 मार्च 1923 को छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश) में एक कुलीन परिवार में जन्मी निर्मला जी का जीवन करुणा, सेवा और आध्यात्मिक क्रांति की एक अद्भुत गाथा है। उनके पिता प्रसाद राव साल्वे और माता कॉर्नेलिया साल्वे प्रबुद्ध और राष्ट्रभक्त व्यक्ति थे।

बचपन में निर्मला जी को महात्मा गांधी के सान्निध्य में रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गांधी जी उनकी आध्यात्मिक गहराई से अत्यंत प्रभावित थे। युवावस्था में उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई और 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान वे जेल भी गईं। उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई भी की, ताकि वे मानव शरीर की सूक्ष्म ऊर्जा प्रणालियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझ सकें। निर्मला जी का विवाह 1947 में चंद्रिका प्रसाद श्रीवास्तव से हुआ, जो बाद में एक प्रतिष्ठित आईएएस अधिकारी और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन के महासचिव बने। अपने पारिवारिक उत्तरदायित्वों को पूर्ण करने के बाद, निर्मला जी का ध्यान मानवता के आध्यात्मिक उत्थान की ओर गया। 5 मई 1970 को गुजरात के नारगोल के समुद्र तट पर गहन ध्यान के दौरान उन्हें वह आत्मिक अनुभूति प्राप्त हुई, जिसे उन्होंने 'सहज योग' का नाम दिया। उन्होंने अनुभव किया कि मनुष्य के भीतर स्थित 'कुंडलिनी' शक्ति को सामूहिक रूप से जागृत करना संभव है। ₹सहज₹ का अर्थ है सरल या जन्मजात, और ₹योग₹ का अर्थ है परमात्मा से मिलन। उन्होंने इस विधि को पूरी दुनिया के सामने रखा, जिससे बिना किसी कठिन तपस्या के साधारण व्यक्ति भी ध्यान की उच्च अवस्था को प्राप्त कर सके।

श्री माताजी ने लगभग 40 वर्षों तक निरंतर विश्व भ्रमण किया। उन्होंने यूरोप, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और एशिया के सुदूर क्षेत्रों में जाकर लाखों लोगों को मुफ्त में आत्म-साक्षात्कार प्रदान किया। उनका मानना था कि आत्म-ज्ञान मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है और इसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया जा सकता। उनके प्रवचनों में प्रेम, क्षमा और आंतरिक शांति पर विशेष बल होता था। उन्होंने सिखाया कि जब हमारी आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है, तो हमारे भीतर भौतिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन स्थापित होता है। आज 100 से अधिक देशों में उनके अनुयायी 'सहज योग' के माध्यम से तनावमुक्त और आनंदमयी जीवन जी रहे हैं।

आध्यात्मिक शिक्षा के साथ-साथ श्री माताजी ने समाज के वंचित वर्गों के लिए भी अभूतपूर्व कार्य किए। उन्होंने मुंबई में निर्धन महिलाओं के लिए आश्रम, दिल्ली में संगीत और कला अकादमी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना की। उन्हें शांति और मानवता के लिए उनके कार्यों हेतु कई बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया और दुनिया भर के कई शहरों ने उन्हें 'मानद नागरिक' की उपाधि से सम्मानित किया।

23 फरवरी 2011 को श्री माताजी ने भौतिक देह का त्याग किया, परंतु उनकी शिक्षाएं और उनके द्वारा प्रज्ज्वलित ज्योति आज भी करोड़ों लोगों का मार्गदर्शन कर रही है। उनका जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि शांति बाहर खोजने की वस्तु नहीं, बल्कि हमारे अपने भीतर स्थित है। उन्होंने एक ₹माँ₹ के रूप में संपूर्ण विश्व को प्रेम की डोर से बांधा और सिद्ध किया कि अध्यात्म ही वह एकमात्र सूत्र है जो आधुनिक युग की समस्याओं का समाधान कर सकता है। उनका व्यक्तित्व ज्ञान, भक्ति और कर्म का एक दुर्लभ संगम था।

जीवन ऊर्जा

उस्ताद बिस्मिल्लाह खान : जन्म - 21 मार्च 1916 | जन्म

उस्ताद बिस्मिल्लाह खान का जन्म 21 मार्च 1916 को हुआ और उनका निधन 21 अगस्त 2006 को हुआ। वे भारत के विश्व प्रसिद्ध शहनाई वादक और संगीत सम्राट थे। उनकी शहनाई की गूंज सादगी, गंगा-जमुनी तहजीब और भारतीय शास्त्रीय संगीत की गहराइयों को उजागर करने वाली थी। संगीत के क्षेत्र में उनके अप्रतिम योगदान ने उन्हें भारत रत्न सहित विश्व स्तर पर पहचान दिलाई।

शहनाई और बनारस की गंगा के बिना मैं अधूरा हूं

संगीत का कोई मजहब नहीं होता, यह तो खुदा की इबादत का एक जरिया है। मेरी शहनाई और बनारस की गंगा, इन दोनों के बिना मैं अधूरा हूं। असली संगीत वह है जो रूह को छुए और दिल में शांति भर दे। रियाज ही संगीत की जान है, बिना मेहनत के सुर कभी सधते नहीं हैं। मैंने हमेशा खुदा से यही मांगा कि मुझे अच्छा इंसान और सच्चा सुर दे। सादगी में ही सबसे बड़ा सौंदर्य छिपा होता है। शहनाई बजाना मेरे लिए केवल पेशा नहीं, बल्कि मेरी जिंदगी का मकसद है। हिंदुस्तान की गंगा-जमुनी तहजीब ही हमारी सबसे बड़ी विरासत है। सुर को पकड़ने के

लिए पूरी उम्र भी कम पड़ जाती है। तालियों की गूँज से ज्यादा सुकून मुझे गंगा किनारे शहनाई बजाने में मिलता है। कलाकार कभी मरता नहीं, वह अपने फन के जरिए हमेशा जिंदा रहता है। सच्चा कलाकार वही है जिसे अपनी कला पर कभी घमंड न हो। संगीत वह भाषा है जिसे समझने के लिए शब्दों की जरूरत नहीं पड़ती। खुदा ने मुझे जो भी दिया, वह मेरी मेहनत और वालिद की दुआओं का नतीजा है। बनारस की गलियों में जो सुकून है, वह दुनिया के किसी वैभव में नहीं। जब मैं शहनाई बजाता हूं, तो मुझे ऐसा लगता है जैसे मैं खुदा के सबसे करीब हूं। संगीत इंसान को इंसानियत सिखाता है। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, केवल निरंतर अभ्यास ही आपको ऊंचाइयों तक ले जाता है। शहनाई की आवाज में जो दर्द और खुशी है, वही जिंदगी की हकीकत है। अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही एक इंसान की असली पहचान है। संगीत की दुनिया में हम सब एक हैं, यहां ऊंच-नीच का कोई स्थान नहीं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

हमारी समस्याएं और दूसरों का बोझ

मानव मन की एक नैसर्गिक प्रवृत्ति है कि वह अपनी पीड़ा को सबसे बड़ा और अपनी समस्याओं को सबसे जटिल मानता है। हमें अक्सर लगता है कि विधाता ने दुखों का सारा भार हमारे ही कंधों पर डाल दिया है, जबकि बाकी दुनिया चैन की बंसी बजा रही है। हिमालय की पहाड़ियों में रहने वाले उस महाज्ञानी पंडित की यह कहानी हमें इसी भ्रम से मुक्त कर 'कृतज्ञता' के धरातल पर ला खड़ा करती है।

एकांत की खोज और समस्याओं का शोर

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

कहानी का प्रारंभ एक विद्वान पंडित से होता है, जो संसार के कोलाहल से थककर हिमालय की शांत वादियों में शरण लेते हैं। उनकी ख्याति इतनी थी कि लोग दुर्गम रास्तों और संकरी पहाड़ियों की परवाह किए बिना अपनी समस्याओं के समाधान के लिए वहां पहुँच जाते थे। यह दृश्य आज के समाज का भी प्रतिबिंब है—इंसान शांति की तलाश में दर-दर भटकता है, लेकिन अपने साथ समस्याओं की एक लंबी फेहरिस्त लेकर चलता है। पंडित जी का तीन दिन तक लोगों को प्रतीक्षा कराना वास्तव में उनके धैर्य की परीक्षा थी, ताकि वे समझ सकें कि समाधान जल्दबाजी में नहीं, बल्कि शांत चित्त से मिलता है।

मछली बाजार और स्वार्थ की टकराहट

जब पंडित जी ने समस्याओं को सुनने की बात कही, तो वहां का दृश्य एक 'मछली बाजार' जैसा हो गया।

हर व्यक्ति को लग रहा था कि उसकी समस्या सबसे गंभीर है और उसे सबसे पहले समाधान मिलना चाहिए। यह आपाधापी दर्शाती है कि जब हम अपनी परेशानियों में डूबे होते हैं, तो हम दूसरे के दर्द के प्रति पूरी तरह अंधे हो जाते हैं। हमें लगता है कि हमारी बीमारी, हमारा आर्थिक संकट या हमारा पारिवारिक कलह ही ब्रह्मांड की सबसे बड़ी त्रासदी है।

टोकरी का प्रयोग: एक आत्मिक साक्षात्कार

पंडित जी द्वारा पर्चियां एक टोकरी में डलवाना और फिर उन्हें आपस में बदलने का विकल्प देना, मनोविज्ञान का एक उत्कृष्ट प्रयोग था। जब उन लोगों ने दूसरों की समस्याओं को पढ़ा, तो उनके पैरों तले

जमीन खिसक गई। किसी के घर में असाध्य बीमारी थी, तो कोई अपनी संतान के वियोग में था; किसी का अस्तित्व दांव पर था, तो कोई अत्यंत गहरे मानसिक अवसाद से जूझ रहा था। दो घंटे पहले जो लोग अपनी किस्मत को कोस रहे थे, अब वे अपनी ही समस्या को वापस पाकर राहत महसूस कर रहे थे। उन्हें अहसास हुआ कि जिसे वे 'पहाड़' जैसा दुख समझ रहे थे, वह दूसरों के 'हिमालय' जैसे दुखों के सामने मात्र एक कंकड़ के समान है।

तुलना का खेल और कृतज्ञता का मार्ग

इस कहानी की सबसे बड़ी शिक्षा यह है कि समस्याएं तुलनात्मक होती हैं। हम अपनी तुलना हमेशा उन लोगों से करते हैं जो हमसे अधिक सुखी दिखते हैं, लेकिन हम कभी उन पर नजर नहीं डालते जो हमसे कहीं अधिक विपरीत परिस्थितियों में जी रहे हैं। जीवन में सुख और दुख का आना-जाना सांसों की तरह है। यदि जीवन है, तो समस्याएं भी होंगी। लेकिन समाधान इस बात में नहीं है कि हम अपनी समस्याओं से भागें या दूसरों की थाली का चांद बड़ा देखें। समाधान इस 'स्वीकार भाव' में है कि ईश्वर ने हमें जो दिया है, वह बहुतों के पास नहीं है।

निष्कर्ष: खुशहाल जीवन का सूत्र

पंडित जी की कुटिया से लौटते समय वे लोग खुश थे। उनकी समस्याएं हल नहीं हुई थीं, लेकिन उनका दृष्टिकोण बदल गया था। जब नजरिया बदलता है, तो वही समस्या जो पहले बोझ लग रही थी, अब एक चुनौती लगने लगती है जिसे पार किया जा सकता है। हमें यह समझना चाहिए कि इस दुनिया में हर व्यक्ति अपनी एक गुप्त जंग लड़ रहा है। किसी की मुस्कुराहट के पीछे कितना बड़ा दर्द छुपा है, यह हम तब तक नहीं जान सकते जब तक हम उनकी 'पर्ची' न पढ़ लें। इसलिए, अपनी छोटी-मोटी परेशानियों पर विलाप करने के बजाय, उस ईश्वर के प्रति आभारी होना चाहिए जिसने हमें सहने की शक्ति दी है।

अपने विचार

दुनिया में संघर्षों की जड़ स्वार्थ एवं वर्चस्व की चाह है और स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म के पालन से ही प्राप्त की जा सकती है। कई देश कह रहे हैं कि केवल भारत ही चल रहे युद्ध को खत्म कर सकता है. दुनिया के चिंतकों के ध्यान में बार-बार देशों से आवाज़ उठ रही है कि चल रहे युद्ध को खत्म भारत ही कर सकता है!

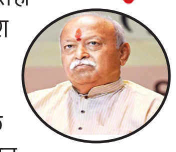

मोहन भागवत
आरएसएस प्रमुख

अगर कांग्रेस पार्टी ने मुझे एक संस्था बना दिया है, तो मुझे खुशी महसूस करनी चाहिए। मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने पार्टी से लड़ने के बजाय कहा कि वे एक व्यक्ति से लड़ रहे हैं, इसका मतलब है कि आज मैं एक संस्था बन गया हूं। मैं ऐसा नहीं हूं, लेकिन अगर कोई तारीफ करता है तो उसका धन्यवाद करना चाहिए!

हेमंता विस्वा सरमा
सीएम, असम

कल बीजेपी की गुंडागर्दी के बाद भी अरविंद केजरीवाल जी शेर की तरह शोक सभा में गए। हमने सिर पर कफन बांध लिया है। हम बीजेपी के गुंडों से नहीं डरने वाले हैं, फिर चाहे हमें गोली मार दो। कफन अब हमने अपने सिर पर बांध लिया है और हम डरने वाले नहीं है। हर मुद्दा उठाएंगे।

सौरभ भारद्वाज
नेता, आप पार्टी

बिहार का अगला सीएम कौन होगा, ये नीतीश कुमार ही तय करेंगे। नीतीश जो कहते हैं, वही करते आए हैं। मुझे भी उन्होंने ही सीएम बनाया। अब भी जिसे कहेंगे, वही बनेंगे। नीतीश के मन से जो बनेंगे, खुशी होगी।

जीतनराम मांझी
केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

लोखंडवाला गार्डन में 25वें वार्षिक नवकुंडीय यज्ञ का भव्य आयोजन

मुंबई। लोखंडवाला गार्डन में 19 से 27 मार्च 2026 तक 25वें वार्षिक नवकुंडीय यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आध्यात्मिक शुद्धि और समाज में सुख-शांति का प्रसार करना है। आचार्य धर्मदास शास्त्री के मार्गदर्शन में आयोजित इस नौ दिवसीय अनुष्ठान में नौ विशिष्ट कुंडों—जैसे सिद्धियों के लिए चतुरस्त्र, समृद्धि के लिए पद्म (कुबेर) और मानसिक शांति के लिए अर्धचंद्र कुंड—के माध्यम से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां दी जा रही हैं। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर सम्मिलित होकर सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया है।

गाय-आधारित उत्पादों के निर्यात के लिए इंडिया पोस्ट का बड़ा कदम

पुणे। पुणे के कृषि महाविद्यालय मैदान में आयोजित GAU TECH 2026 - गाय आधारित वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन के दौरान महाराष्ट्र और गोवा सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल अमिताभ सिंह ने एक 'विशेष आवरण' और 'विशेष रद्दीकरण' जारी किया, जिसकी पहली एल्बम मुख्य अतिथि वल्लभभाई कटारिया को भेंट की गई। इस गरिमामयी समारोह में विधायक हेमंत रासने, जैन मुनि लोकेश मुनि और अभिनेता प्रवीण तरडे जैसी प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति में CPMG अमिताभ सिंह ने घोषणा की कि 'इंडिया पोस्ट' अपने 'डाक घर निर्यात केंद्र' के माध्यम से गाय-आधारित उत्पादों के अंतरराष्ट्रीय निर्यात में सक्रिय सहयोग देगा।

गौरैया संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान

मुंबई। धारावी स्थित मनोहर जोशी महाविद्यालय में 20 मार्च 2026 को विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर स्कूली छात्रों के लिए कृत्रिम घोंसले रंगने का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र और जागरूक नागरिक शामिल हुए। "स्पैरोज़ शेल्टर" संस्था द्वारा आयोजित इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण में तेजी से घट रही गौरैयों की संख्या को लेकर जागरूकता फैलाना और उनके संरक्षण को बढ़ावा देना है। पिछले 27 वर्षों से संस्था इस दिशा में कार्यरत है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने अपनी रचनात्मकता से घोंसलों को आकर्षक रंगों से सजाया, जिन्हें बाद में विद्यालय परिसर के पेड़ों पर लगाया जाएगा और "एक घोंसला – एक छात्र" योजना के तहत छात्र स्वयं उनमें दाना-पानी की व्यवस्था और देखभाल करेंगे। इस मौके पर पूर्व विधायक बाबूराव माने, संस्था के प्रमोद माने, सामाजिक कार्यकर्ता संजय शिंदे और कला शिक्षक विशाल जाधव उपस्थित रहे।

संडे को मुंबई लोकल पर ब्रेक

▸▸ ठाणे और डोंबिवली में 10 घंटे का ब्लॉक
▸▸ ट्रांसहार्बर और पश्चिम रेलवे पर भी ब्रेक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल, मुंबई मंडल द्वारा 21/22 मार्च 2026 (शनिवार/रविवार) की मध्यरात्रि से रविवार सुबह तक ठाणे और डोंबिवली स्टेशनों पर एक विशेष बुनियादी ढांचा ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक रात 00:00 बजे से सुबह 10:00 बजे तक कुल 10 घंटों के लिए मुलुंड-ठाणे और दिवा-डोंबिवली के बीच अप और डाउन स्लो लाइनों पर प्रभावी रहेगा। इस कार्य का मुख्य उद्देश्य ठाणे के प्लेटफॉर्म संख्या 3 व 4 और डोंबिवली के प्लेटफॉर्म 1A, 1 व 2 का विस्तार करना है, ताकि भविष्य में इन स्टेशनों पर 15 कोच वाली ट्रेनों का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सके और यात्रियों को बढ़ती भीड़ से राहत मिल सके।

उपनगरीय सेवाओं पर प्रभाव और वैकल्पिक व्यवस्था

ब्लॉक के दौरान उपनगरीय (लोकल) सेवाएं व्यापक रूप से प्रभावित रहेंगी। डोंबिवली स्टेशन से शुरू और समाप्त होने वाली सभी ट्रेनें रविवार को रद्द रहेंगी। मुलुंड–ठाणे और दिवा–कल्याण खंड के बीच चलने वाली स्लो ट्रेनों को फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा, जिसके कारण वे ठाकुर्ली और कोपर स्टेशनों पर नहीं रुकेंगी। हालांकि, यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने सभी अप और डाउन फास्ट ट्रेनों को कलवा, मुंब्रा और दिवा स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव (हॉल्ट) देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, मुलुंड–ठाणे और दिवा–कल्याण के बीच कई स्थानीय फेरियां रद्द की गई हैं, जिससे यात्रियों को रविवार सुबह यात्रा में देरी का सामना करना पड़ सकता है।

मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों का डायवर्जन और यात्री अपील

लंबी दूरी की ट्रेनों के परिचालन को बनाए रखने के लिए रेलवे ने विशेष डायवर्जन योजना बनाई है। ब्लॉक अवधि के दौरान सीएसएमटी और दादर से चलने वाली डाउन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को विद्याविहार/ठाणे और कल्याण के बीच पांचवीं लाइन पर चलाया जाएगा, जबकि मुंबई आने वाली अप ट्रेनों को छठी लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा।

ठाणे-वाशी/नेरुल के बीच लोकल सेवाएं रहेंगी बंद

मुंबई में मध्य रेलवे के मुंबई मंडल की ट्रांसहार्बर लाइन पर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। रविवार को ठाणे और वाशी/नेरुल स्टेशनों के बीच ट्रांसहार्बर मार्ग पर विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए मेगा ब्लॉक लिया जाएगा। ब्लॉक अवधि के दौरान ठाणे से वाशी/नेरुल/पनवेल की ओर जाने वाली डाउन लाइन की लोकल सेवाएं सुबह 10:35 बजे से शाम 4:07 बजे तक रद्द रहेंगी। वहीं, पनवेल/नेरुल/वाशी से ठाणे की ओर आने वाली अप लाइन की लोकल सेवाएं सुबह 10:25 बजे से शाम 4:09 बजे तक रद्द रहेंगी। इसके अलावा, दोपहर 11:10 बजे से शाम 4:10 बजे तक ठाणे और वाशी/नेरुल के बीच अप और डाउन ट्रांसहार्बर लाइन पर सभी लोकल सेवाएं पूरी तरह बंद रहेंगी। रेलवे प्रशासन के अनुसार, बुनियादी ढांचे के रखरखाव और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह मेगा ब्लॉक आवश्यक है।

टिटवाला-वाशिंद के बीच विशेष ब्लॉक

मध्य रेल, मुंबई मंडल द्वारा 15 कोच वाली रेक को समायोजित करने के उद्देश्य से टिटवाला और वाशिंद स्टेशनों के बीच 21 से 25 मार्च 2026 तक विशेष यातायात एवं पॉवर ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक प्रतिदिन रात 02:10 बजे से 03:25 बजे तक प्रभावी रहेगा, जिसके दौरान टिटवाला और खडवली स्टेशनों पर नए पॉइंट्स से अतिक्रमण हटाने और ओएचई (OHE) संचालन जैसे महत्वपूर्ण तकनीकी कार्य किए जाएंगे। इस ब्लॉक के कारण मध्य रेल की कई प्रमुख मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। मऊ–एलटीटी, शालीमार–एलटीटी, और हावड़ा–सीएसएमटी जैसी ट्रेनों को वाशिंद, असंगांव और अटगांव जैसे स्टेशनों पर 45 से 60 मिनट तक रेगुलेट (रोका) किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, प्रतापगढ़–एलटीटी और रक्सौल–एलटीटी सहित आधा दर्जन से अधिक ट्रेनों के आगमन में 10 से 15 मिनट की देरी होने की संभावना है।

वसई रोड-विरार और प्रभादेवी में 'मेजर ब्लॉक'

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा परिचालन कार्यों और प्रभादेवी रोड ओवर ब्रिज के गर्डर हटाने हेतु 21/22 मार्च 2026 की मध्यरात्रि में विशेष ब्लॉक लिया जाएगा। वसई रोड और विरार के बीच रात 00:15 से 04:15 बजे तक जंबो ब्लॉक रहेगा, जबकि प्रभादेवी स्टेशन पर सभी लाइनों पर रात 01:30 से सुबह 06:00 बजे तक मेजर ब्लॉक प्रभावी होगा। इस अवधि में वसई–विरार खंड की धीमी लाइन की ट्रेनों को फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा, और प्रभादेवी ब्लॉक के कारण चर्चगेट से प्रभादेवी तथा माटुंगा रोड से माहिम के बीच कोई भी उपनगरीय सेवा उपलब्ध नहीं रहेगी। कुछ लोकल ट्रेनों को दादर और बांद्रा से ही शॉर्ट टर्मिनेट कर वापस मोड़ दिया जाएगा।

लंबी दूरी की ट्रेनों का नियमन और रिशेड्यूलिंग

इस ब्लॉक के कारण कई महत्वपूर्ण मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। वाराणसी–मुंबई सेंट्रल एसी स्पेशल को 2 घंटे, सौराष्ट्र मेल को 1 घंटा 45 मिनट और गुजरात मेल व एकता नगर–दादर एक्सप्रेस को 1–1 घंटा रेगुलेट (रोका) किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 22 मार्च को सुबह प्रस्थान करने वाली मुंबई सेंट्रल–अहमदाबाद गुजरात सुपरफास्ट एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 30 मिनट की देरी से यानी सुबह 06:10 बजे छूटेगी। राहत की बात यह है कि रविवार, 22 मार्च को दिन के समय कोई अन्य ब्लॉक नहीं रहेगा, जिससे यात्रियों को दिन में सामान्य सेवाएं मिल सकेंगी।

पातलीपाड़ा में सरकारी जमीन पर बने घरों को नियमित करने की कवायद

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

पातलीपाड़ा-डोंगरीपाड़ा क्षेत्र में पिछले 50-60 वर्षों से सरकारी जमीन पर बने अनधिकृत निर्माणों को नियमित करने की मांग पर राजस्व विभाग ने सकारात्मक रुख दिखाया है, जिससे लगभग 20 हजार नागरिकों को बेघर होने के डर से मुक्ति मिलेगी। स्थानीय विधायक संजय केलकर के निरंतर फॉलो-अप और विधानसभा अधिवेशन में आवाज उठाने के बाद, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और जिला प्रशासन ने इन निर्माणों को 'सेक्शन 51' के नियमों के तहत वैध करने की प्रक्रिया पर सहमति जताई है। खोपट स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित 'जनसेवक जनसंवाद' कार्यक्रम के दौरान केलकर ने बताया कि ये परिवार ग्राम पंचायत के समय से टैक्स भर रहे हैं, लेकिन हाल ही में जिला प्रशासन द्वारा खाली करने के नोटिस मिलने से वे संकट में थे। अब सरकार के इस सकारात्मक कदम और नगरसेवक दीपक जाधव व सुरेश कांबले जैसे प्रतिनिधियों के सहयोग से इन 4,000 परिवारों के पुनर्वास और स्थायी निवास का मार्ग प्रशस्त होता दिख रहा है।

वरिष्ठ शिवसैनिक दिलीप मालवणकर का शिवसेना यूबीटी से इस्तीफा

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

पूर्व नगरसेवक और शिवसेना के निष्ठावान सदस्य दिलीप मालवणकर ने पार्टी के उदासीन रवैये से आहत होकर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) से अपना 46 साल पुराना नाता तोड़ने की घोषणा की है। मालवणकर ने भावुक होते हुए बताया कि 5 फरवरी को उन पर हुए जानलेवा हमले के बाद, पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व ने न तो घटना की निंदा की और न ही कोई सुध ली, जिससे उन्हें गहरा मानसिक आघात पहुँचा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल होने के बजाय अब एक स्वतंत्र सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य करेंगे और 'अन्याय विरोधी संघर्ष समिति' के माध्यम से समाज सेवा व अपने आत्मसम्मान की लड़ाई जारी रखेंगे।

वीजा से लेकर होटल तक की टेंशन खत्म

आईआरसीटीसी के साथ मनाएं ऑस्ट्रेलिया में छुट्टियां

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

▸▸ आईआरसीटीसी लाया 11 दिनों का ऑल-इन्क्लूसिव टूर

आईआरसीटीसी ने मुंबई के यात्रियों के लिए कंगारुओं के देश यानी ऑस्ट्रेलिया की सैर का एक शानदार मौका पेश किया है। 'Astonishing Australia' नाम के इस स्पेशल टूर पैकेज में मेलबर्न की गलियों से लेकर सिडनी के ओपेरा हाउस तक, सब कुछ एक ही टिकट में शामिल है। यह टूर 10 रात और 11 दिन का है, जो 05 मई 2026 को मुंबई से शुरू होगा और 16 मई को वापसी होगी। इसमें आपको ऑस्ट्रेलिया के चार सबसे खूबसूरत शहर—मेलबर्न, केर्न्स, गोल्ड कोस्ट और सिडनी—घुमाए जाएंगे। यह पैकेज उन लोगों के लिए बेहतरीन है जो बिना किसी भाग-दौड़ के आराम से विदेश घूमना चाहते हैं। आईआरसीटीसी के इस पैकेज की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें वीजा फीस, इंटरनेशनल और डोमेस्टिक फ्लाइट्स, 4-स्टार होटल, तीनों समय का खाना (नाश्ता, लंच, डिनर) और दर्शनीय स्थलों के प्रवेश टिकट पहले से शामिल हैं। आपको अलग से कोई बड़ा खर्चा करने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी।

सुरक्षा और सुविधा का भरोसा

यात्रा के दौरान पर्यटकों की मदद के लिए मुंबई एयरपोर्ट से सिडनी एयरपोर्ट तक एक प्रोफेशनल टूर मैनेजर साथ रहेगा। साथ ही, स्थानीय जानकारी के लिए अंग्रेजी बोलने वाले गाइड भी मौजूद होंगे। 70 साल तक की उम्र वाले यात्रियों के लिए मुफ्त ट्रैवल इंश्योरेंस की सुविधा भी दी गई है, जो यात्रा को सुरक्षित बनाती है। इस रॉयल टूर की कीमत 3,90,000 प्रति व्यक्ति (ट्विन शेयरिंग आधार पर) रखी गई है। बुकिंग कंफर्म करने के लिए आपको कुल राशि का 30% एडवांस भुगतान करना होगा। आईआरसीटीसी ने इसे 'किफायती' श्रेणी में रखा है क्योंकि इसमें रहने, खाने और घूमने की तमाम लग्जरी सुविधाएं जुड़ी हुई हैं।

भांडूप परिमंडल में 1,05,144 बकायेदारों के बिजली कनेक्शन कटे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भांडूप परिमंडल में महावितरण ने बिजली बिल न भरने वाले बकायेदारों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंत में अपनी बैलेंस शीट सुधारने और 100% वसूली का लक्ष्य हासिल करने के लिए विभाग ने 1 लाख से अधिक उपभोक्ताओं की बत्ती गुल कर दी है।

एक लाख से ज्यादा 'ब्लैकआउट'

महावितरण ने फरवरी और मार्च 2026 के दौरान भांडूप परिमंडल के तहत आने वाले इलाकों में 1,05,144 ऐसे उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिए हैं, जिन्होंने बार–बार सूचना देने के बाद भी बिल नहीं भरा था। यह कार्रवाई लो–टेंशन (LT) यानी घरेलू और छोटे व्यावसायिक कनेक्शनों पर की गई है।

मैसेज के बाद सीधा एक्शन

मुख्य अभियंता संजय पाटील ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं को मोबाइल पर लगातार रिमाइंडर मैसेज भेजे गए थे। इसके बावजूद वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक बिल जमा न करने वालों के खिलाफ 'तत्काल प्रभाव' से कनेक्शन काटने के निर्देश दिए गए। विभाग का कहना है कि निर्बाध बिजली सेवा देने के लिए समय पर भुगतान जरूरी है। राहत की बात यह है कि महावितरण ने 'सख्ती के साथ सुविधा' का विकल्प भी खुला रखा है। जिन उपभोक्ताओं ने कनेक्शन कटने के बाद तुरंत बकाया राशि का भुगतान कर दिया, उनके बिजली कनेक्शन को विभाग ने प्राथमिकता के आधार पर तुरंत बहाल कर दिया। वसूली अभियान के साथ–साथ महावितरण ने बिजली चोरी करने वालों को भी आड़े हाथों लिया है। विभाग ने चेतावनी दी है कि जो लोग कटिया डालकर या मीटर में छेड़छाड़ कर बिजली चुरा रहे हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई और भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

कहाँ कितनी गिरी गाज, मंडलवार आंकड़ा

वाशी मंडल: सबसे ज्यादा 40,818 कनेक्शन काटे गए
पेण मंडल: यहाँ 36,871 बकायेदारों पर कार्रवाई हुई
ठाणे मंडल: यहाँ 27,455 उपभोक्ताओं की बिजली काटी गई

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा।

वृष मान–सम्मान मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार–व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

मिथुन व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन–देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति विशेष से अनबन हो सकती है। व्यापार–व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे।

सिंह शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। दुष्टजनों से दूर रहें।

कन्या भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

तुला व्यापार–व्यवसाय अच्छा चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। मान–सम्मान मिलेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

वृश्चिक प्रेम–प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन–देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी।

धनु आराम का समय मिलेगा। आशंका–कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

मकर यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल रहेंगे। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

कुंभ आज मान–सम्मान के योग बनेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

मीन कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में शांति रहेगी। सहकर्मियों का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा।

300 बार हनुमान चालीसा का पाठ: आस्था, संकल्प और आत्मबल का अद्भुत संगम

भारतीय सनातन परंपरा में भक्ति केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के बीच गहरे संवाद का माध्यम मानी जाती है। जब कोई साधक पूर्ण श्रद्धा, अनुशासन और संकल्प के साथ किसी मंत्र या स्तोत्र का जप करता है, तो उसका प्रभाव केवल बाहरी जीवन पर ही नहीं, बल्कि भीतर के मनोविश्व पर भी पड़ता है। इसी क्रम में हनुमान जी की उपासना विशेष स्थान रखती है, और उनके प्रति समर्पित हनुमान चालीसा को अत्यंत शक्तिशाली और प्रभावशाली स्तोत्र माना जाता है। परंपराओं में यह विश्वास प्रचलित है कि यदि कोई व्यक्ति एक ही दिन में 300 बार हनुमान चालीसा का पाठ संकल्पपूर्वक करता है, तो उसके जीवन में अद्भुत परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं।

यह साधना सामान्य जप से अलग है, क्योंकि इसमें निरंतरता, धैर्य और मानसिक स्थिरता की अत्यधिक आवश्यकता होती है। 300 बार हनुमान चालीसा का पाठ करने में लगभग 14 से 15 घंटे का समय लग सकता है, जो किसी भी व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक क्षमता की परीक्षा भी लेता है। इस प्रक्रिया में साधक को एक ही स्थान पर बैठकर अपने मन को पूरी तरह से केंद्रित करना होता है। यही कारण है कि यह साधना केवल धार्मिक क्रिया न होकर एक प्रकार की ध्यान साधना भी बन जाती है, जो व्यक्ति के भीतर छिपी शक्तियों को जागृत करती है।

आस्था के अनुसार, इस विशेष साधना को करने के पीछे कुछ प्रमुख कारण बताए जाते हैं। पहला कारण यह माना जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को अपने घर या आसपास किसी नकारात्मक ऊर्जा, भय या अदृश्य शक्तियों का अनुभव होता है, तो वह शनिवार के दिन इस संकल्प को लेकर 300 बार हनुमान चालीसा का पाठ कर सकता है। विश्वास है कि इससे वातावरण शुद्ध होता है और मन में छिपा डर स्वतः समाप्त होने लगता है। दूसरा कारण पारिवारिक जीवन से जुड़ा हुआ है। यदि घर में निरंतर कलह, तनाव या असहमति बनी रहती है, तो मंगलवार के दिन इस पाठ का संकल्प लेने से मानसिक शांति और आपसी समझ बढ़ने लगती है। तीसरा कारण जीवन के अटके हुए कार्यों से संबंधित है। जब व्यक्ति को लगता है कि उसके प्रयासों के बावजूद कार्य पूरे नहीं हो रहे हैं, तब यह साधना उसके आत्मविश्वास को पुनः जागृत कर सकती है।

इस साधना के प्रभाव को लेकर कई लोग अपने व्यक्तिगत अनुभव भी साझा करते हैं। उनका कहना है कि लगातार पाठ करते समय एक विशेष प्रकार की ऊर्जा का अनुभव होता है, जैसे कोई अदृश्य शक्ति उनके आसपास मौजूद हो। यह अनुभव पूरी तरह से व्यक्ति की श्रद्धा और मानसिक स्थिति पर निर्भर करता है, लेकिन इतना निश्चित है कि इस प्रक्रिया के दौरान मन की एकाग्रता अत्यधिक बढ़ जाती है। यही एकाग्रता व्यक्ति के भीतर छिपे भय, चिंता और अस्थिरता को धीरे-धीरे समाप्त करने लगती है।

इस प्रकार का पाठ करने के लिए कुछ सरल नियमों का पालन करना भी आवश्यक माना गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि संकल्प लेने के बाद उसे पूर्ण करना चाहिए, क्योंकि अधूरा संकल्प मानसिक रूप से असंतुलन पैदा कर सकता है। पाठ प्रारंभ करने से पहले साधक को अपने मन में स्पष्ट रूप से अपनी इच्छा या उद्देश्य को स्थापित करना चाहिए। एक स्वच्छ और शांत स्थान का चयन करना चाहिए, जहां किसी प्रकार का व्यवधान न हो। हनुमानजी की प्रतिमा या चित्र को लाल वस्त्र पर स्थापित करके दीपक जलाना और साधारण पूजा करना इस प्रक्रिया को और अधिक प्रभावशाली बना देता है।

न्यूज़ ब्रीफ

डबल इंजन की सरकार ने की नक्सलवाद पर निर्णायक चोट : साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि नक्सलवाद, जो लंबे समय से छत्तीसगढ़ के विकास में सबसे बड़ी बाधा रहा, अब डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से समाप्ति की ओर है। इससे राज्य में शांति और विकास की गति तेज हुई है। मुख्यमंत्री ने यह बातें अपने निवास कार्यालय में नेशनल डिफेंस कॉलेज के सैन्य व सिविल सेवा अधिकारियों के अध्ययन दल से मुलाकात के दौरान कहीं। उन्होंने देश-विदेश से आए अधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें राज्य की विकास यात्रा और संभावनाओं से अवगत कराया। साय ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है, जहां लगभग 46 प्रतिशत भू-भाग वनाच्छादित है। कोयले से लेकर हीरे तक के खनिज भंडार और लगभग 30 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता इसे ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत बनाती है। बीते दो वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिलना इसकी संभावनाओं का संकेत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र-राज्य के संयुक्त प्रयासों से नक्सल समस्या पर प्रभावी नियंत्रण हुआ है। इससे निवेश और विकास के नए अवसर खुले हैं। कृषि क्षेत्र का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि "धान का कटोरा" कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में किसानों के लिए प्रभावी खरीद नीति लागू है, जिसके तहत प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है।

साइबर ठगी : सीए, बैंक मैनेजर संग चार गिरफ्तार

कटिहार। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार 2.0' के तहत कटिहार साइबर थाना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संगठित नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने बैंक मैनेजर, एक चार्टर्ड अकाउंटेंट सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जो म्यूल खातों के जरिए अवैध लेनदेन में संलिप्त थे। साइबर अपराध अनुसंधान विभाग, पटना के निर्देश पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने 26 संदिग्ध बैंक खातों का सत्यापन किया। जांच में सामने आया कि इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम को ट्रांसफर और छिपाने के लिए किया जा रहा था। 2.2 करोड़ रुपये के लेनदेन का खुलासा गिरफ्तार आरोपितों में निशात अग्रवाल, रवि शंकर रवि, कैलाश प्रसाद साह, रिन्दु कुमार, राजेश कुमार मिश्रा और आईसीआईसीआई बैंक के ब्रांच मैनेजर कौशल कुमार शामिल हैं।

कोल्ड स्टोरेज में अमोनिया आपूर्ति बहाल

- केंद्र सरकार के दखल के बाद आलू किसानों पर मंडराता संकट टला
- उत्तर प्रदेश में 150 लाख मीट्रिक टन आलू पहुंच चुकी है कोल्ड स्टोर

एजेंसी । लखनऊ

शीतगृहों में अमोनिया गैस की आपूर्ति बाधित होने से उपजे संकट पर आखिरकार विराम लग गया है। केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के बाद प्रदेश के कोल्ड स्टोरेज को गैस सप्लाई बहाल करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं, जिससे लाखों आलू किसानों को बड़ी राहत मिली है। सप्लाई रुकने से न सिर्फ भंडारित आलू, बल्कि शेष उपज के सुरक्षित भंडारण पर भी संकट गहरा गया था।

ठप हो गई थी कूलिंग की व्यवस्था

अमोनिया गैस नहीं होने से कूलिंग व्यवस्था बाधित थी और आलू खराब होने का खतरा तेजी से बढ़ रहा था। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमोनिया गैस शीतगृह संचालन का अनिवार्य तत्व है और इसका कोई व्यवहारिक विकल्प उपलब्ध नहीं है। केंद्र सरकार के इस प्रभावी निर्णय से प्रदेश के करोड़ों आलू किसानों और हजारों शीतगृह संचालकों ने बड़ी राहत की सांस ली है. किसानों का मानना है कि समय पर लिए गए इस फैसले ने उनकी साल भर की मेहनत और फसल को भारी नुकसान से बचा लिया है।

दो दिन में ही शीतगृहों को मिली गैस

मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार के स्तर पर हस्तक्षेप किया गया। उर्वरक एवं रसायन मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के समन्वय से महज दो कार्यदिवस में आपूर्ति बहाल करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद शीतगृह संचालकों को निर्बाध अमोनिया गैस उपलब्ध कराने के निर्देश जारी कर दिए गए। राज्यमंत्री ने इसके लिए केंद्र सरकार के प्रति आभार जताते हुए कहा कि समय रहते उठाए गए इस कदम से किसानों की फसल सुरक्षित रह सकेगी।

पेड़ से टकराई बोलेरो, पांच श्रद्धालुओं की मौत

- राजस्थान के केला देवी धाम से दर्शन कर लौट रहे थे बोलेरो सवार
- आगरा में हुआ भीषण सड़क हादसा, घायलों में चार की हालत नाजुक

एजेंसी । आगरा

चित्राहाट थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी लोग राजस्थान के केला देवी मंदिर से दर्शन कर इटावा लौट रहे थे। ग्राम पई के पास आधी रात करीब 12 बजे तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई।

चालक को झपकी आने से हुआ हादसा

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। सभी घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतपुर भेजा गया। चिकित्सकों ने पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि चार घायलों की हालत नाजुक होने पर उन्हें सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

पूरे परिवार ने खाया जहर मां-बेटे की मौत

- अधेड़ की हालत नाजुक, जहर खाने का कारण अस्पष्ट

एजेंसी । लखनऊ

राजधानी के बंथरा क्षेत्र में शुक्रवार को एक ही परिवार के तीन सदस्यों द्वारा जहरीला पदार्थ खाने की घटना ने सनसनी फैला दी। अस्पताल में इलाज के दौरान मां और बेटे की मौत हो गई, जबकि पिता की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक ग्राम नीवा निवासी रूप नारायण परिवार का पालन-पोषण होटल व पान की दुकान से करते थे। शुक्रवार सुबह उन्होंने पत्नी तारावती (50) और बेटे संदीप के साथ जहरीला पदार्थ खा लिया।

संदीप की जेब से मिला सुसाइड नोट

अस्पताल में डॉक्टरों ने तारावती और संदीप को मृत घोषित कर दिया, जबकि रूप नारायण का उपचार जारी है। जांच के दौरान संदीप की जेब से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें आत्महत्या के लिए किसी को जिम्मेदार न ठहराने की बात लिखी गई है।

यूपी कॉलेज में दिनदहाड़े छात्र की गोली मारकर हत्या

- छात्र संघ के चुनाव की तैयारी में जुटा था छात्र

एजेंसी । वाराणसी

शहर के भोजुबीर स्थित उदय प्रताप महाविद्यालय (यूपी कॉलेज) परिसर में शुक्रवार को दिनदहाड़े एक छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिससे परिसर में सनसनी फैल गई। वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी भी कॉलेज का ही छात्र बताया जा रहा है, जो घटना के बाद मौके से फरार हो गया।

छात्रों का प्रदर्शन, परिसर में तोड़फोड़

पुलिस के अनुसार गाजीपुर निवासी सूर्य प्रताप सिंह (23) बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर का छात्र था और कॉलेज छात्रावास में रह रहा था। वह छात्रसंघ अध्यक्ष पद के चुनाव की तैयारी में भी जुटा हुआ था।

कॉलेज में फायरिंग से बवाल

घटना से आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज का मुख्य गेट बंद कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और परिसर में तोड़फोड़ की। छात्रों का आरोप है कि फायरिंग प्राचार्य के सामने हुई, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, एडिशनल पुलिस कमिश्नर शिवहरि मीणा सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

124 अफसर-कर्मियों को मिला सेवा विस्तार

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में अधिकारियों और कर्मचारियों को दिए गए सेवा विस्तार पर राज्य सरकार ने विधानसभा में विस्तृत आंकड़े पेश किए हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु ने बताया कि कांग्रेस सरकार के गठन के बाद शुरुआती सात महीनों में 12 अधिकारियों-कर्मचारियों को सेवा विस्तार दिया गया। विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के लिखित उत्तर में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह विस्तार पांच विभागों में दिया गया, जिनमें स्वास्थ्य विभाग सबसे आगे रहा, जहां आठ मामलों को मंजूरी मिली। इसके अलावा प्रशासनिक सुधार, बहुउद्देशीय परियोजना एवं ऊर्जा, कार्मिक तथा श्रम एवं रोजगार विभाग में एक-एक अधिकारी को

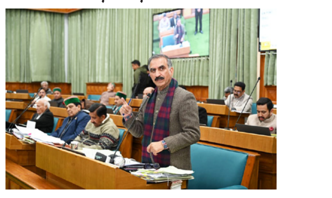

सेवा विस्तार प्रदान किया गया। वित्त विभाग को मिले 134 प्रस्ताव सरकार के अनुसार 1 जनवरी 2023 से 31 जुलाई 2024 के बीच विभिन्न विभागों से सेवा विस्तार और पुनर्नियुक्ति के कुल 134 प्रस्ताव वित्त विभाग को प्राप्त हुए। जांच और निर्धारित प्रक्रिया के बाद इनमें से 124 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई, जबकि दो प्रस्ताव खारिज कर दिए गए। आठ मामलों में अतिरिक्त जानकारी मांगे जाने के कारण वे अस्थायी रूप से लंबित रहे।

कौशिक-खजान दास समेत पांच विधायक बने मंत्री

- धामी कैबिनेट विस्तार: क्षेत्रीय संतुलन पर फोकस

एजेंसी । देहरादून

उत्तराखंड में लंबे इंतजार के बाद शुक्रवार को धामी सरकार ने मंत्रिमंडल का विस्तार कर दिया। विस्तार में पांच विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई, जिसमें संगठनात्मक मजबूती और क्षेत्रीय संतुलन को प्राथमिकता दी गई है। कैबिनेट में शामिल किए गए नेताओं में मदन कौशिक और खजान दास को फिर से मौका मिला है। दोनों पूर्व में भी सरकार में मंत्री रह चुके हैं और पार्टी संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

भरत चौधरी भी मंत्रिमंडल में शामिल

रुद्रप्रयाग को प्रतिनिधित्व देते हुए पहली बार विधायक बने भरत सिंह चौधरी को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। उन्होंने क्षेत्रीय विकास और बुनियादी ढांचे के मुद्दों को लगातार उठाया है। शहरी विकास के अनुभव के साथ कैबिनेट में आए हैं।

पटना में जुटेगा विश्व भर के विद्वानों का महाकुंभ

- 'इंटरनेशनल एस्ट्रो, वास्तु एंड तंत्र कॉन्फ्रेंस-2026' का बिगुल बजा

एजेंसी । पटना

बिहार की ऐतिहासिक धरती और राजधानी पटना आगामी अप्रैल माह में अध्यात्म, ज्योतिष और प्राचीन वैदिक विज्ञान के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने जा रही है। वर्ल्ड एस्ट्रो फेडरेशन, साउथ एशियन एस्ट्रो-फेडरेशन और एस्ट्रो, वास्तु एंड वैदिक साइंसेज हब के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 4, 5 और 6 अप्रैल 2026 को त्रिदिवसीय 'इंटरनेशनल एस्ट्रो, वास्तु एंड तंत्र कॉन्फ्रेंस-2026' का भव्य आयोजन होटल चाणक्य में किया जा रहा है।

वैश्विक स्तर पर गूँजेगी वैदिक विद्याओं की धमक

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का प्रबंधन साउथ एशियन एस्ट्रो-फेडरेशन द्वारा किया जा रहा है। ज्योतिष शास्त्र, वास्तु, तंत्र और अन्य वैदिक विषयों के विशेषज्ञों के साथ-साथ कला, राजनीति और सरकार के प्रतिनिधि भी इस मंच पर अपने विचार साझा करेंगे। एस्ट्रो फेडरेशन की एशिया कमेटी (पंजाब, भारत) के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट डॉ. शिव शर्मा भी इस कॉन्फ्रेंस के आयोजन में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा

4-5 अप्रैल: मुख्य सत्र, शोध पत्र प्रस्तुति और विद्वानों द्वारा व्याख्यान। 6 अप्रैल: विद्वानों और प्रतिभागियों के लिए विशेष भ्रमण कार्यक्रम। विशेष आकर्षण: ज्योतिषीय सेवाओं का स्टॉल सम्मेलन का एक मुख्य आकर्षण यहाँ लगने वाले विशेष स्टॉल होंगे। इसमें देश तथा विदेश के प्रमुख ज्योतिषीय सेवा प्रदाता अपनी सेवाओं, सॉफ्टवेयर और प्राचीन ग्रंथों की प्रदर्शनी लगाएंगे, जिससे आम जनमानस को भी इन गूढ़ विद्याओं को समझने का अवसर मिलेगा।

पंजीकरण और संपर्क

आयोजन समिति ने सम्मेलन से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। इच्छुक प्रतिभागी और विद्वान निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं: भारत: +91-9430459514, +91-8817500005, +91-9811175780 नेपाल: +977-9841287757, +977-9851015553, +977-9849905870 इस आयोजन को लेकर देश व विदेश के ज्योतिष प्रेमियों और शोधकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि यह सम्मेलन आधुनिक युग में वैदिक विज्ञान की प्रासंगिकता सिद्ध करने में मील का पत्थर साबित होगा।

एक अप्रैल से लागू होगा नया आयकर कानून

- सीबीडीटी ने अधिसूचित किए नियम

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने नए आयकर ढांचे को लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'आयकर अधिनियम, 2025' के नियम अधिसूचित कर दिए हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा जारी ये नियम 1 अप्रैल से प्रभावी होंगे और वित्तीय वर्ष 2026-27 पर लागू किए जाएंगे। नया कानून 64 साल पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेगा। इसका मुख्य उद्देश्य कर प्रणाली को सरल बनाना, भाषा को स्पष्ट करना और विवादों को कम करना है। अधिसूचना के अनुसार इसे 'आयकर नियम, 2026' नाम दिया गया है।

एचआरए पर मिलने वाली छूट बरकरार

संरचनात्मक बदलावों के तहत कानून को काफी संक्षिप्त किया गया है। धाराओं की संख्या 819 से घटाकर 536 और अध्याय 47 से कम कर 23 कर दिए गए हैं। शब्दों की संख्या भी लगभग आधी कर दी गई है। जटिल प्रावधानों की जगह स्पष्टता बढ़ाने के लिए नई तालिकाएं और सूत्र शामिल किए गए हैं। बिना इसके HRA छूट नहीं मिलेगी।

लेखा परीक्षकों की बढ़ाई गई जवाबदेही

इसके अलावा पूंजीगत लाभ, शेयर बाजार लेनदेन और अनिवासी कराधान को लेकर नियमों को सख्त किया गया है, जबकि रिटर्न और खुलासा प्रणाली को सरल बनाने का प्रयास किया गया है। 150 से अधिक नए फॉर्म भी पेश किए गए हैं। नए प्रावधानों के तहत विदेशी आय पर टैक्स क्रेडिट, पैन के दुरुपयोग और ऑडिट टिप्पणियों से जुड़ी जिम्मेदारियों को लेकर कंपनियों और लेखा परीक्षकों की जवाबदेही बढ़ाई गई है। सरकार का मानना है कि यह बदलाव कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी और उपयोगकर्ता अनुकूल बनाएगा। अब किरायेदार को मकान मालिक से अपने संबंधों का खुलासा करना अनिवार्य होगा। महानगरों—मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद और बेंगलुरु—में 50 प्रतिशत तक छूट की सीमा यथावत रहेगी, जबकि अन्य शहरों में यह 40 प्रतिशत रहेगी।नए नियमों में वेतनभोगियों के लिए मकान किराया भत्ता (एचआरए) पर कर छूट का दायरा बरकरार रखते हुए पारदर्शिता बढ़ाई गई है। किराए की रसीद लगाकर HRA यानी हाउस रेंट अलाउंस का फायदा उठाते हैं तो ध्यान रखें अगर साल भर का कुल किराया 1 लाख रुपये से ज्यादा है तो कंपनी को मकान मालिक का नाम, पता और PAN नंबर देना अनिवार्य होगा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल नरम

- 110 डॉलर से नीचे फिसला ब्रेंट, डब्ल्यूटीआई 95 डॉलर से नीचे

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका और इजराइल की ओर से आए नरमी के संकेतों ने कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई भी 95 डॉलर से नीचे कारोबार कर रहा है। गुरुवार को 119 डॉलर के करीब पहुंचने के बाद ब्रेंट क्रूड ने शुक्रवार को गिरावट के साथ 106.48 डॉलर प्रति बैरल पर शुरुआत की और शुरुआती कारोबार में 104.96 डॉलर तक लुढ़क गया।

ब्रेंट फ्यूचर्स में 1.10% की गिरावट

फ्यूचर मार्केट में भी नरमी बरकरार रही। ब्रेंट फ्यूचर्स करीब 1.10 प्रतिशत गिरकर 107.41 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआई फ्यूचर्स 1.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 94.90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। विशेषज्ञों के अनुसार, ऊर्जा ढांचे पर हमले से बचने और ईरानी तेल से जुड़े प्रतिबंधों में नरमी के अमेरिकी संकेतों के साथ इजराइल की ओर से युद्ध जल्द खत्म होने के संकेतों ने बाजार की धारणा को बदला है। इसके अलावा अमेरिकी रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार से तेल जारी करने की संभावना ने भी कीमतों को नीचे खींचा है।

पश्चिम एशिया तनाव: रिकार्ड निचले स्तर पर रुपया

- 93.28 प्रति डॉलर तक गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर भारतीय मुद्रा पर दिखा है। शुक्रवार को रुपया डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 93.28 प्रति डॉलर तक लुढ़क गया, जिससे बाजार में चिंता बढ़ गई। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज में रुपया गिरावट के साथ 92.64 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में लगातार दबाव में रहा। डॉलर की मजबूत मांग के चलते यह तेजी से फिसलकर रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में हल्का सुधार आया और सुबह करीब 11 बजे यह 93.20 प्रति डॉलर के आसपास कारोबार करता दिखा। रुपये की कमजोरी सिर्फ डॉलर तक सीमित नहीं रही। ब्रिटिश पाउंड के मुकाबले यह 125.01 और यूरो के मुकाबले 107.77 के स्तर तक कमजोर हुआ, जिससे विदेशी मुद्रा बाजार में दबाव साफ नजर आया। विशेषज्ञों के मुताबिक पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, वैश्विक अनिश्चितता और डॉलर की मजबूती रुपये पर भारी पड़ रही है। साथ ही विदेशी निवेशकों

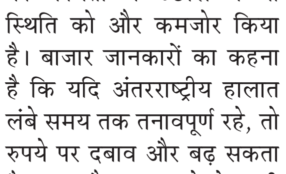

की बिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने भी स्थिति को और कमजोर किया है। बाजार जानकारों का कहना है कि यदि अंतरराष्ट्रीय हालात लंबे समय तक तनावपूर्ण रहे, तो रुपये पर दबाव और बढ़ सकता है। खासतौर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल भारत जैसी आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बन सकता है।

रोनक जैन के नेतृत्व में असगार्ड की नई उड़ान

एजेंसी । नासिक

शराब और बीयर निर्माण क्षेत्र में तेजी से उभरती कंपनी असगार्ड अल्कोबेव लिमिटेड ने अपने प्रबंधन ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए अनुभवी उद्योग विशेषज्ञ रोनक जैन को नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। कंपनी का यह कदम व्यवसाय के पुनर्गठन और वैश्विक विस्तार की रणनीति को गति देने के उद्देश्य से उठाया गया है। रोनक जैन के पास इस क्षेत्र में 15 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने उत्पादन, पैकेजिंग, वितरण, कॉर्पोरेट रणनीति और वित्तीय प्रबंधन जैसे अहम क्षेत्रों में काम किया है। किया है। उनके नेतृत्व में कंपनी ऑपरेशन्स को मजबूत करने, बाजार विस्तार और निवेशकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित करेगी।

रोनक जैन के पास इस क्षेत्र में 15 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने उत्पादन, पैकेजिंग, वितरण, कॉर्पोरेट रणनीति और वित्तीय प्रबंधन जैसे अहम क्षेत्रों में काम किया है। उनके नेतृत्व में कंपनी ऑपरेशन्स को मजबूत करने, बाजार विस्तार और निवेशकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी ने अपनी लीडरशिप टीम को सशक्त बनाने के लिए प्रियंका जैन को अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी) और बिनीत सिंघानिया को मुख्य वित्तीय अधिकारी एवं वित्त निदेशक नियुक्त किया है। प्रियंका जैन को मानव संसाधन और संगठनात्मक विकास में 10 वर्षों का अनुभव है, जबकि बिनीत सिंघानिया को अकाउंटिंग, टैक्सेशन और वित्तीय नियोजन में 15 वर्षों का अनुभव प्राप्त है। निदेशक मंडल का मानना है कि नई टीम का सामूहिक अनुभव कंपनी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। रोनक जैन ने कहा कि उनका लक्ष्य ऑपरेशन्स, मानव संसाधन और वित्त के संतुलित संयोजन के जरिए कंपनी को नई दिशा देना है। गौरतलब है कि कंपनी ने कागज उद्योग से बाहर निकलकर शराब निर्माण क्षेत्र में कदम रखा है और हाल ही में उत्तर-पूर्व भारत की सीएमजे ब्रुअरीज में बहुमत हिस्सेदारी हासिल की है।

ASGARD ALCOBEV

2.09 रुपये महंगा हुआ प्रीमियम पेट्रोल

- 87.67 रुपये वाला इंडस्ट्रियल डीजल अब 109.59 रुपये प्रति लीटर

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब देश में ईंधन कीमतों पर दिखने लगा है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल और इंडस्ट्रियल डीजल के दाम बढ़ा दिए हैं, जबकि सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतें फिलहाल स्थिर रखी गई हैं। नई दरों के अनुसार प्रीमियम पेट्रोल करीब 2.09 रुपये प्रति लीटर महंगा होकर 111.68 रुपये से बढ़कर 113.77 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

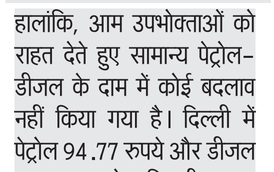

सामान्य डीजल-पेट्रोल की कीमतें स्थिर

हालांकि, आम उपभोक्ताओं को राहत देते हुए सामान्य पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपये और डीजल 90.03 रुपये प्रति लीटर के स्तर पर बना हुआ है।

न्यूज़ ब्रीफ

पंकज अडवाणी की अप्रत्याशित हार

मुंबई। पिछली तीन संस्करण के चैंपियन पंकज अडवाणी को सीसीआई स्नूकर क्लासिक 2026 में अप्रत्याशित रुप से कृष गुरबक्शानी के हाथों हार मिली और इस प्रकार वे मेन ड्रॉ चक्र से आगे नहीं बढ़ सके। पंकज अडवाणी को इस बार भी खिताब की प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया स्थित विल्सन जोन्स बिलियर्ड्स हॉल में गुरबक्शानी ने उनके खिलाफ 4-2 (74-34, 38-68, 16-78, 76-14, 119-0, 78-21) से जीत दर्ज की। मेन ड्रॉ के अन्य मैचों में दिग्विजय कदियान ने राहुल सचदेव को 4-2 (16-74, 72(53)-28, 84(50)-35, 92(91)-0, 0-86(86), 71(63)-12) से और आदित्य अग्रवाल ने आई एच मनुदेव को 4-1 (52-43, 101(93)-8, 69-6, 46-82, 60-63) से हराकर प्रतियोगिता में आगे कूच किया।

घुड़दौड़ : स्कॉरमाउच के लिए अवसर

मुंबई। शनिवार शाम को महालक्ष्मी रेसकोर्स पर मुंबई घुड़दौड़ सत्र के 18वें दिन कुल सात दौड़ों का कार्यक्रम रखा गया है। द्वितीय श्रेणी की मुख्य दौड़ में बेहराम काम द्वारा प्रशिक्षित स्कॉरमाउच की स्थिति बेहतर है और उसके जीत की संभावना है। पहली दौड़ शाम पांच बजे आरंभ होगी। विभिन्न दौड़ों के लिए हमारे चयन इस प्रकार हैं। 1- मानवर (प्र.), रेनॉयर (द्वि.), 2- लेगाडेमा (प्र.), रेड रोज (द्वि.), 3- फनी बनी (प्र.), पालोमा (द्वि.), 4- एवॉन फ्लक्स (प्र.), की वेस्ट (द्वि.), 5- वेन्सरो (प्र.), वेगाथा (द्वि.), 6- स्कॉरमाउच (प्र.), ऑर्ट कलेक्टर (द्वि.), 7- डेजर्ट क्लासिक (प्र.), हॉउस ऑफ लॉर्ड्स (द्वि.), दिन का सर्वोत्तम : फनी बनी।

दीक्षा पहले राउंड के बाद आठवें स्थान पर

गोल्ड कोस्ट। ऑस्ट्रेलियन डब्ल्यूपीजीए चैंपियनशिप के पहले राउंड के बाद भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर सबसे आगे रहीं। उन्होंने शुक्रवार को 4-अंडर 67 का मजबूत शुरुआती राउंड खेला और लीडरबोर्ड पर संयुक्त 8वें स्थान पर रहीं। वह लीडर केल्सी मैकडॉनल्ड (64) से चार शॉट पीछे हैं, जिन्होंने अपने शुरुआती राउंड के साथ एक नया कोर्स रिकॉर्ड बनाया है। हिताशी बख्शी ने 2-अंडर 69 का स्कोर बनाकर शुरुआत की। अन्य भारतीय प्रणवी उर्स (72) और वाणी कपूर (73) के लिए शुरुआत मुश्किल रही। उन्होंने 1-ओवर 72 और 2-ओवर 73 का स्कोर किया।

लखनऊ की 'सुपर' वापसी या फिर वही पुरानी कहानी

- आईपीएल में लगातार दो सत्र से सातवें नंबर पर रहे सुपरजायंट्स
- कप्तान पंत के लिए यह सत्र अग्निपरीक्षा जैसा

एजेंसी । नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स का सफर सस्पेंस फिल्म की तरह रहा है। 2022 में पदार्पण करने वाली यह टीम पहले दो सत्र में प्लेऑफ तक पहुंची। मगर उसके बाद अचानक प्रदर्शन का ग्राफ नीचे चला गया। अब उनके लिए यह सत्र किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होने वाला है।

नई शुरुआत

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) लगातार दो बार सातवें स्थान पर फिसल गई। पिछले सत्र में कप्तानी संभालने वाले ऋषभ पंत के लिए भी यह सफर आसान नहीं रहा। अब नई जर्सी, नया लोगो और बदले हुए संयोजन के साथ टीम एक बार फिर नई शुरुआत की तैयारी में है। ऋषभ पंत को लखनऊ ने 27 करोड़ की रिकॉर्डतोड़ कीमत पर अपनी टीम का चेहरा बनाया था।

पंत की चुनौती

आखिरी मैच से पहले तक पंत के बल्ले से 13 मैचों में सिर्फ 151 रन निकले, जहां उनका औसत महज 13 और स्ट्राइक रेट 107 का था। हालांकि, गुजरात टाइटन्स के खिलाफ आखिरी लीग मैच में उन्होंने 61 गेंदों पर नाबाद 118 रनों की जो आतिशी पारी खेली, उसने उनके आलोचकों के मुंह पर कुछ समय के लिए ताला जरूर लग गया। लेकिन टीम की हार ने उस शतकीय पारी की चमक को थोड़ा फीका कर दिया था।

सबसे बड़ी कमजोरी

लखनऊ सुपर जायंट्स की सबसे बड़ी कमजोरी उनकी अस्थिरता रही है। अगर हम गुजरात जायंट्स से तुलना करें, जिसने लखनऊ के साथ ही लीग में कदम रखा था, तो वहां एक ठहराव दिखता है। गुजरात ने पहले ही साल खिताब जीता और अगले साल उपविजेता रही, जबकि लखनऊ ने अपने सेटअप में बार-बार बदलाव करके अपनी लय बिगाड़ी है। इस बार प्रशंसकों की उम्मीद है कि टीम जल्दबाजी में फैसले लेने के बजाय अपनी योजना पर टिकी रहेगी। टीम के बल्लेबाजी क्रम को देखें तो ऊपरी क्रम में एडेन मार्करम की नफासत और मिचेल मार्श की ताकत का अच्छा मिश्रण नजर आता है। मध्यक्रम में निकोलस पूरन जैसा विस्फोटक खिलाड़ी मौजूद है, जो टीम को फिनिशिंग टच देने में माहिर है। इसके अलावा जोश इंग्लिस और अक्षित रघुवंशी जैसे नए खिलाड़ियों के आने से टीम की गहराई बढ़ी है।

गेंदबाजी में मास्टरस्ट्रोक

गेंदबाजी में इस बार लखनऊ ने बड़े फेरबदल किए हैं। जहीर खान की विदाई के बाद भारत के अनुभवी गेंदबाजी कोच भरत अरुण को टीम से जोड़ना एक मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है। मोहम्मद शमी के अनुभव और मयंक यादव की तूफानी रफ्तार का संगम विपक्षी बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती पेश कर सकता है, बशर्ते मयंक अपनी फिटनेस बरकरार रख सकें। मोहसिन खान और आवेश खान की स्विंग गेंदबाजी के साथ-साथ एनरिक नॉर्जे की गति और वानिंदु हसरंगा की फिरकी टीम को हर विभाग में मजबूती देती है।

पहला मुकाबला

1 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ घरेलू मैदान से शुरू होने वाला यह अभियान लखनऊ के लिए केवल एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि अपनी साख बचाने की लड़ाई है। लखनऊ का इकाना स्टेडियम पारंपरिक रूप से स्पिनरों का मददगार रहा है, लेकिन टीम को अपनी असली परीक्षा बाहर के मैदानों पर देनी होगी जहां तेज गेंदबाजों की भूमिका अहम हो जाती है।

पंत के सामने बड़ी चुनौती

पिछले दो सीजन में प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स इस बार अंतिम चार में पहुंचने की उम्मीद करेगी।

दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका जाएगी महिला टीम

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम इस साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जाएगी। इसकी शुरुआत 6 दिसंबर को बेनोनी में इमर्जिंग टीम के साथ वार्म-अप मैच से होगी। इस दौरे में तीन मैचों की वनडे सीरीज भी शामिल है। वनडे मैच 9 से 15 दिसंबर तक पोचेफ्स्ट्रूम (9 दिसंबर), ब्लूमफोंटेन (12 दिसंबर) और केपटाउन (15 दिसंबर) में खेले जाएंगे। उसके बाद 20 से 23 दिसंबर तक गक्वबेरहा में एक टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारत का यह दौरा दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के लिए एक हाई-प्रोफाइल घरेलू सीजन का पहला हिस्सा होगा। उसके बाद नए साल में 18 मार्च से 11 अप्रैल, 2027 तक ऑस्ट्रेलिया की टीम आएगी।

अब कमेंट्री नहीं करेंगे शिवरामकृष्णन

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के पूर्व दिग्गज लेग स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने शुक्रवार को बीसीसीआई के कमेंट्री पैनल से हटने की घोषणा कर दी है। 1980 के दशक में अपनी शानदार स्पिन और गुगली से क्रिकेट जगत में तहलका मचाने वाले शिवरामकृष्णन ने लगभग 23 वर्षों तक कमेंटेटर के रूप में अपनी सेवाएं दीं।

भेदभाव और अवसरों की कमी का आरोप

शिवरामकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए बताया कि उन्हें लंबे समय से टॉस और पुरस्कार वितरण जैसे महत्वपूर्ण मौकों से दूर रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी वरिष्ठता के बावजूद नए लोगों को पिच रिपोर्ट और प्रेजेंटेशन समारोह के लिए भेजा जाता रहा। उन्होंने यहाँ तक कहा कि जब रवि शास्त्री भारतीय टीम के कोच थे, तब भी उनके साथ यही व्यवहार किया गया, जो टीवी प्रोडक्शन के काम करने के तरीके पर सवाल उठाता है।

रंगभेद का गंभीर मुद्दा

अपने संन्यास की घोषणा के साथ ही शिवरामकृष्णन ने एक गंभीर विवाद को जन्म दे दिया है। जब एक सोशल मीडिया यूजर ने उनसे पूछा कि क्या उनके अवसरों की कमी के पीछे उनकी त्वचा का रंग एक कारण है, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से सहमति जताते हुए इसे ¤रंगभेद¤ करार दिया। 60 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर का यह बयान बीसीसीआई के भीतर आंतरिक भेदभाव और प्रोडक्शन की कार्यप्रणाली पर एक नई बहस छेड़ सकता है।

न्यूजीलैंड की जीत में चमके लैथम

- 8 विकेट से हराया दक्षिण अफ्रीका को तीसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम ने
- 63 रन की नाबाद पारी खेली लैथम ने 55 गेंदों में सात चौकों और दो छक्कों से
- 96 रन की साझेदारी लैथम और कॉन्वे ने पहले विकेट के लिए निभाई

टी-20 सीरीज

एजेंसी । ऑकलैंड

ऑकलैंड में खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 8 विकेट से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। टॉम लैथम की नाबाद 63 रनों की कप्तानी पारी और डेवोन कॉन्वे (39) के साथ उनकी 96 रनों की मजबूत ओपनिंग साझेदारी की बदौलत कीवी टीम ने 137 रनों का लक्ष्य महज 16.2 ओवरों में हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजी का फ्लॉप शो

इससे पहले, बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर केवल 136 रन ही बना सकी। टीम का कोई भी बड़ा बल्लेबाज टिक कर नहीं खेल पाया और केवल नकोबानी मोकोएना (नाबाद 26) और जॉर्ज लिंडे (23) ही 20 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रहे। न्यूजीलैंड के सभी छह गेंदबाजों ने विकेट चटकाए, जिनमें मिचेल सेंटनर, केली जेमीसन और बेन सीयर्स ने दो-दो विकेट लेकर मेहमान टीम की कमर तोड़ दी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से केशव महाराज और लुथो सिपामला को एक-एक सफलता मिली, लेकिन वे अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके। गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद लैथम के चौथे करियर अर्धशतक ने न्यूजीलैंड की लगातार दूसरी जीत सुनिश्चित की, जबकि सीरीज का अगला मैच अब रविवार को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

बॉ ली वु ड

'फर्जी सीजन 2' पर शाहिद कपूर का खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर की चर्चित वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन का आखिरकार आधिकारिक ऐलान हो गया है। 19 मार्च को अमेजन प्राइम वीडियो ने 'फर्जी सीजन 2' की घोषणा की, जिसके बाद से फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस खास मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शाहिद कपूर समेत सीरीज की पूरी स्टारकास्ट मौजूद रही। इस दौरान शाहिद कपूर ने सीजन 2 को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि वह लंबे समय से इसकी शूटिंग शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, ¤मैं पिछले दो साल से 'फर्जी' के दूसरे सीजन का इंतजार कर रहा था और अब यह आखिरकार शुरू हो गया है।¤ अभिनेता ने यह भी खुलासा किया कि सीजन 2 की शूटिंग शुरू हो चुकी है और वह इसके आगे की कहानी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने अपने किरदार को अब तक निभाए गए सबसे पसंदीदा रोल्स में से एक बताया।

सीरीज की कहानी को लेकर शाहिद ने संकेत दिया कि 'फर्जी सीजन 2' पहले सीजन से एक कदम आगे होगी, लेकिन कहानी का विस्तार स्वाभाविक तरीके से किया जाएगा। इस वेब सीरीज का निर्देशन मशहूर जोड़ी राज निदिमोरू और कृष्णा डीके ने किया है। पहले सीजन में विजय सेतुपति, राशि खन्ना, केके मेनन, भुवन अरोरा, अमोल पालेकर और रेजिना कैसेंड्रा अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।

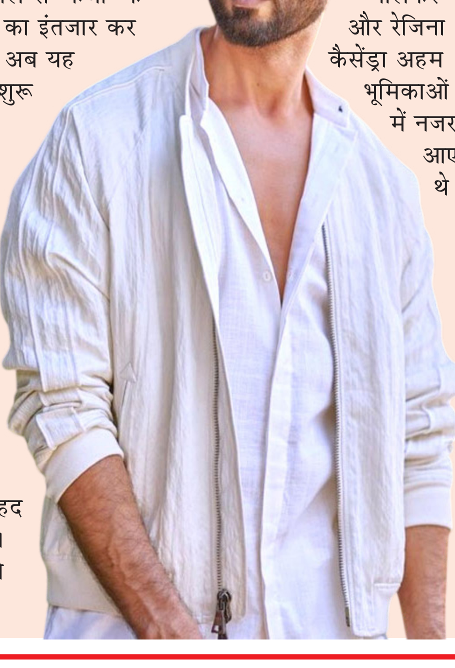

'धुरंधर 2' का जलवा

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए नया इतिहास रच दिया है। एडवांस बुकिंग और प्रिव्यू शोज में शानदार कमाई के बाद फिल्म ने पहले ही दिन रिकॉर्ड तोड़ कमाई करते हुए 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया। दर्शकों के जबरदस्त रिस्पॉन्स के चलते सिनेमाघरों में फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। ट्रेड रिपोर्ट्स के अनुसार, 'धुरंधर 2' ने पेड प्रिव्यू से भारत में करीब 43 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि रिलीज के पहले दिन ही फिल्म ने 102.55 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर सभी को चौंका दिया। इस तरह महज दो दिनों में फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 145.55 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। खास बात यह है कि फिल्म ने ओपनिंग डे कलेक्शन के मामले में जवान और एनिमल जैसी बड़ी फिल्मों को भी पीछे छोड़ दिया है। वहीं, साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण की फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' को 'धुरंधर 2' से कड़ी टक्कर मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म ने पहले दिन 31.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो अपने आप में मजबूत शुरुआत मानी जा रही है, लेकिन 'धुरंधर 2' के मुकाबले यह आंकड़ा कम रहा। गौरतलब है कि पवन कल्याण की पिछली फिल्म 'दे कॉल हिम ओजी' ने पहले दिन 63.75 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

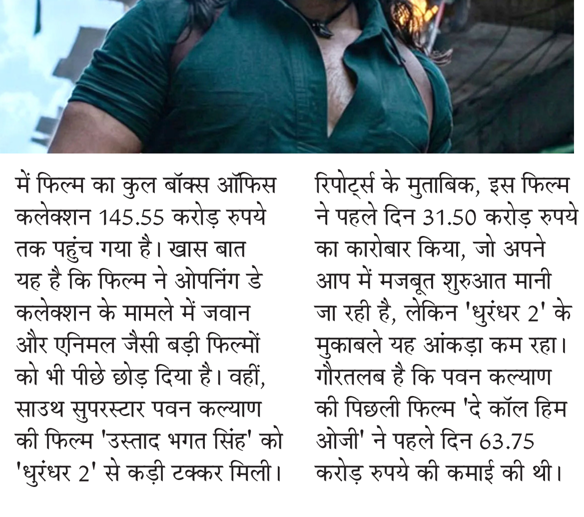

सलमान खान की अगली फिल्म ईद 2027 पर होगी रिलीज

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और ईद के बीच खास फिल्मी रिश्ता रहा है। 'वांटेड', 'दबंग', 'किक' और 'बजरंगी भाईजान' जैसी उनकी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में इसी मौके पर रिलीज होकर बॉक्स ऑफिस पर छाई हैं। हालांकि, इस साल ईद पर उनकी कोई फिल्म रिलीज नहीं हो रही है, लेकिन 2027 के लिए अभिनेता ने अभी से बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मातृभूमि' के बाद सलमान अपनी अगली फिल्म के लिए साउथ भारतीय निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पाडिलपल्ली के साथ काम कर सकते हैं।सूत्रों के अनुसार, इस फिल्म को ईद 2027 पर रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है। बताया जा रहा है कि सलमान खान और निर्माता-निर्देशक की जोड़ी के बीच इस प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत जारी है, ताकि शेड्यूल को इस तरह से तैयार किया जा सके कि फिल्म त्योहार के मौके पर सिनेमाघरों में उतारी जा सके। निर्माता-निर्देशक इस प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं और जल्द ही एक ठोस योजना के साथ सलमान को जवाब देने की संभावना है।

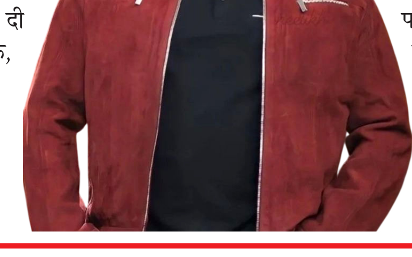

प्राइम वीडियो ने खोले पत्ते, 55 नई सीरीज़ और फिल्मों का ऐलान

भारत में मनोरंजन के प्रमुख प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने अपने 'प्राइम वीडियो प्रेज़ेंट्स 2026' कार्यक्रम में अब तक की सबसे बड़ी भारतीय ओरिजिनल्स स्लेट की घोषणा की है। इस लाइनअप में करीब 55 नई सीरीज़ और फिल्में शामिल हैं, जो विभिन्न भाषाओं और फॉर्मेट्स में दर्शकों के लिए पेश की जाएंगी। इस भव्य स्लेट में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में स्क्रिप्टेड और अनस्क्रिप्टेड कंटेंट का व्यापक मिश्रण देखने को मिलेगा। प्रमुख नई परियोजनाओं में निखिल आडवाणी की 'द रिवोल्यूशनरीज़', विजय वर्मा अभिनीत 'मटका किंग', अली फज़ल और सोनाली बेंद्रे की 'राख', रैपर किंग की 'लुक्खे' और भारत की पहली हिंदी सुपरहीरो सीरीज़ 'वंश : द कलयुग वॉरियर्स' शामिल हैं। इसके अलावा, दर्शकों की पसंदीदा सीरीज़ के नए सीज़न भी इस लाइनअप का हिस्सा हैं। इनमें 'फर्जी सीज़न 2', 'पंचायत सीज़न 5', 'कॉल मी बे सीज़न 2', 'दुपहिया सीज़न 2', 'दहाड़ सीज़न 2' और 'द ट्रेटर्स' सीज़न 2' शामिल हैं। प्राइम वीडियो ने क्षेत्रीय कंटेंट में भी बड़ा विस्तार किया है। तेलुगु, तमिल और अन्य भाषाओं में कई नई और लोकप्रिय कहानियों को शामिल करते हुए यह प्लेटफॉर्म विविधता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में है। इस मौके पर नए सहयोगों की भी घोषणा की गई। ऋतिक रोशन की एचआरएक्स फिल्म्स स्ट्रीमिंग में 'स्टॉर्म' और 'मेस' के साथ कदम रखेगी, जबकि आलिया भट्ट की इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस 'डोंट बी शाय' लेकर आएगी। कार्यक्रम में अमेज़न एमजीएम स्टूडियोज़ इंडिया की पांच नई थिएटर फिल्मों की भी घोषणा हुई, जिनमें 'रफ्तार', 'वाइब', 'दिलकशी', 'नई नवेली' और 'कुकू की कुंडली' शामिल हैं। ये फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के बाद प्राइम वीडियो पर डिजिटल प्रीमियर के रूप में उपलब्ध होंगी। प्राइम वीडियो इंडिया की डायरेक्टर और हेड ऑफ बिज़नेस शिलांगी मुखर्जी ने कहा कि यह स्लेट कंपनी के नए दौर की शुरुआत है और इसमें विविधता के साथ उच्च गुणवत्ता वाली कहानियां दर्शकों को देखने को मिलेंगी। वहीं, हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल मधोक ने कहा कि यह अब तक का सबसे बड़ा ओरिजिनल लाइनअप है, जो भारतीय और वैश्विक दर्शकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। प्राइम वीडियो का यह नया कंटेंट स्लेट न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारतीय कहानियों को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

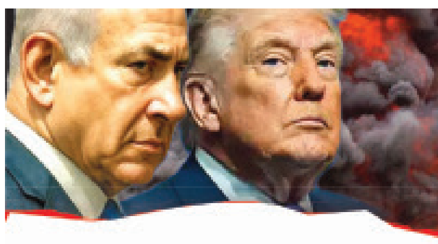

वॉर ब्रीफ

इजरायली स्ट्राइक में IRGC प्रवक्ता अली मोहम्मद नैनी की मौत

तेहरान। ईरान के रिवोल्यूशनरी गाड्र्स ने शुक्रवार तडक़े अमरीकी-इजरायली हवाई हमलों में अपने प्रवक्ता अली मोहम्मद नैनी के मारे जाने की पुष्टि की है। यह हमला उनके उस बयान के कुछ ही मिनटों बाद हुआ, जिसमें उन्होंने चल रहे युद्ध के बावजूद मिसाइल उत्पादन जारी रहने की बात कही थी। गत 28 फरवरी को सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने के बाद से ईरान के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ चल रहे अभियानों की श्रृंखला में यह एक और बड़ी घटना है। इससे पहले इजरायल ने ईरान के खुफिया मामलों के मंत्री इस्माइल खतीब के मारे जाने की जानकारी दी थी। वह 2022-2023 के महसा अमीनी विरोध प्रदर्शनों को दबाने और विदेशों में इजरायलियों और अमेरिकियों के खिलाफ ऑपरेशनों में शामिल थे।

ईरान हमले के बाद भारत को कतर से एलएनजी सप्लाई में कटौती संभव

नई दिल्ली। कतर में ऊर्जा सुविधाओं पर ईरान के हमलों के बाद भारत को होने वाली लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की सप्लाई पर असर पड़ सकता है।भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक है, अपनी गैस आयात का लगभग 41% हिस्सा कतर से ही लेता है।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में भारत ने 27 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक एलएनजी का आयात किया, जिसमें से 11.2 मिलियन टन की सप्लाई कतर ने की थी।केंद्रीय तेल मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, एलएनजी के मामले में कतर की क्षमता पर चोट पहुंची है, जिसका असर हम पर भी पड़ेगा।

मध्य-पूर्व युद्ध का तत्काल कोई अंत नहीं दिख रहा : फ्रांस

तेल अवीव। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने कहा कि उन्हें मध्य-पूर्व में चल रहे संघर्ष का कोई साफ-साफ और जल्द खत्म होने का रास्ता नहीं दिख रहा। हालांकि फ्रांस और उसके सहयोगी स्थायी समाधान खोजने की दिशा में काम करते रहेंगे। बैरोट ने बैरोट ने तेल अवीव में इजरायली विदेश मंत्री गिदोन सार से मुलाकात के बाद पत्रकारों से ये बातें कही।गुरुवार को लेबनान का दौरा करने के बाद, बैरोट ने कहा कि उन्होंने दक्षिणी लेबनान में इजरायल के संभावित जमीनी अभियान को लेकर पेरिस की चिंताओं को सामने रखा था, लेकिन साथ ही कहा कि लेबनानी सेना को लेबनानी सरकार की मांग के अनुसार, ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह को निशस्त्र करने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा।

स्विट्जरलैंड ने अमेरिका को हथियारों का निर्यात रोका

बर्न। स्विट्जरलैंड ने अमेरिका को हथियारों का निर्यात रोक दिया है।शुक्रवार को सरकार ने कहा कि वह ईरान पर चल रहे हमलों के कारण, कंपनियों को अमेरिका को हथियार निर्यात करने के लिए लाइसेंस जारी नहीं करेगा। सरकार ने देश की तटस्थता का हवाला देते हुए यह फैसला किया है।बयान के अनुसार ईरान के साथ अंतरराष्ट्रीय सशस्त्र संघर्ष में शामिल देशों को युद्ध सामग्री के निर्यात की अनुमति, संघर्ष की अवधि तक नहीं दी जा सकती। अमेरिका को युद्ध सामग्री के निर्यात की अनुमति फिलहाल नहीं दी जा सकती।पिछले सप्ताहांत, स्विस सरकार ने कहा था कि उसने ईरान से संबंधित युद्ध उड़ानों के लिए अमेरिका के दो हवाई मार्ग उपयोग के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया था।

ईरान युद्ध से निकलना चाहते हैं अमेरिका और इजरायल

वॉर छोड़ न यार...

एजेंसी । नई दिल्ली

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया है कि ईरान अब परमाणु हथियार और मिसाइलें नहीं बना पाएगा। उनका कहना है कि अमेरिका और इजरायल के हमलों ने ईरान की इन क्षमताओं को नष्ट कर दिया है। इस बयान के दो मुख्य मायने हो सकते हैं। पहला ईरान को इस युद्ध में अमेरिका और इजरायल ने भारी नुकसान पहुँचाया है। दूसरा अमेरिका और इजरायल ने अपना मिशन पूरा कर लिया है और अब युद्ध समाप्त करने का समय करीब आ रहा है। नेतन्याहू के बयान का एक अर्थ यह भी हो सकता है कि वे अब इस युद्ध से निकलना चाहते हैं।

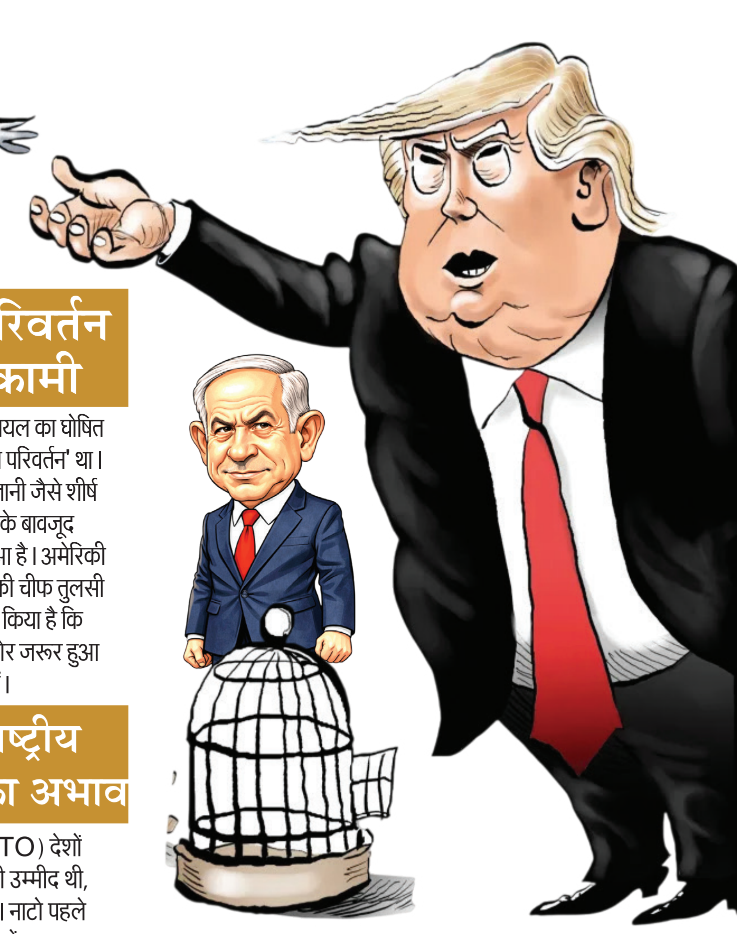

यही स्थिति अमेरिका की भी हो सकती है और इसके लिए वे किसी ठोस बहाने की तलाश में हैं। सच तो यह है कि इजरायल और अमेरिका ने कल्पना भी नहीं की थी कि ईरान इतने दिनों तक युद्ध में टिका रहेगा। एक तरफ दुनिया की सबसे बड़ी सैन्य शक्ति अमेरिका और 'मॉडर्न वॉरफेयर' का मास्टर माना जाने वाला इजरायल है, तो दूसरी तरफ दशकों से कड़े प्रतिबंध झेल रहा ईरान। ईरान को बेशक नुकसान हुआ है, लेकिन उसने अमेरिका और इजरायल की नाक में दम कर रखा है। ट्रंप और नेतन्याहू क्यों इस युद्ध से अपनी साख बचाकर निकलना चाहते हैं, इसकी कुछ प्रमुख वजहें निम्नलिखित हो सकती हैं:

ईरान ने युद्ध को वैश्विक बना दिया

ईरान ने मध्य-पूर्व के देशों पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। यूएई, सऊदी अरब और ओमान जैसे देशों में बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। दुबई जैसे आधुनिक शहर भी निशाने पर हैं; कभी एयरपोर्ट पर ड्रोन का मलबा गिर रहा है, तो कभी अन्य हमले हो रहे हैं। मध्य-पूर्व का न तो आसमान सुरक्षित बचा है और न ही ज़मीन।

वैश्विक आर्थिक संकट

ईरान ने तेल बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है। कतर स्थित दुनिया के सबसे बड़े गैस प्लांट 'रास लफान' पर हमले के कारण उत्पादन रोकना पड़ा। इसके बाद ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से मालवाहक जहाजों की आवाजाही बाधित कर दी है, जिसका असर वैश्विक स्तर पर दिख रहा है। युद्ध की आंच अब आम लोगों की रसोई तक पहुँच गई है। कई देशों में रसोई गैस की भारी किल्लत हो गई है। पाकिस्तान में हफ्ते में केवल चार दिन काम हो रहा है और श्रीलंका की स्थिति भी गंभीर है। इस लिहाज से यह क्षेत्रीय संघर्ष अब एक 'विश्व युद्ध' का रूप ले चुका है, जिसका ठीकरा अंततः अमेरिका और इजरायल पर ही फूटेगा। अरब देश लगातार दबाव बना रहे हैं कि लड़ाई इजरायल-ईरान की है, लेकिन नुकसान उनका हो रहा है।

ट्रंप की कूटनीतिक फजीहत

तेल संकट इतना गहरा गया है कि जो ट्रंप पहले रूसी तेल खरीदने वालों पर प्रतिबंध लगा रहे थे, अब वे स्वयं रूस से तेल लेने की वकालत कर रहे हैं। इससे यूक्रेन नाराज है और पुतिन की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। चीन भी फायदे में है क्योंकि वह ईरान के साथ खड़ा है। यानी अमेरिका के दो बड़े दुश्मन—रूस और चीन—युद्ध से सीधे तौर पर दूर रहकर भी लाभ कमा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, अमेरिका और इजरायल के मतभेद अब खुलकर सामने आ गए हैं। तेहरान के तेल डिपो पर हमले के बाद अमेरिका ने पल्ला झाड़ लिया था, लेकिन इजरायल ने अमेरिकी चेतावनी के बावजूद 'साउथ पार्स' पर हमला किया।

सत्ता परिवर्तन में नाकामी

अमेरिका और इजरायल का घोषित उद्देश्य ईरान में 'सत्ता परिवर्तन' था। खामेनेई और लारिजानी जैसे शीर्ष नेताओं के मारे जाने के बावजूद ईरान युद्ध में बना हुआ है। अमेरिकी नेशनल इंटेलिजेंस की चीफ तुलसी गबार्ड ने भी स्वीकार किया है कि ईरानी शासन कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन खत्म नहीं।

अंतरराष्ट्रीय समर्थन का अभाव

ट्रंप को नाटो (NATO) देशों से जिस सहयोग की उम्मीद थी, वह नहीं मिल सका। नाटो पहले ही रूस-यूक्रेन युद्ध में उलझा हुआ है। ब्रिटेन ने भी अपने सैन्य अड्डों (ग्लोस्टरशायर और डिएगो गार्सिया) के इस्तेमाल की अनुमति बहुत हिचकिचाहट के साथ दी है ।

घरेलू मोर्चे पर तनाव

अमेरिका इस युद्ध पर प्रतिदिन लगभग $1 बिलियन खर्च कर रहा है। पेंटागन ने $200 अरब के अतिरिक्त बजट की मांग की है। ट्रंप प्रशासन के भीतर भी मतभेद उभर रहे हैं। आतंकवाद निरोधी दस्ते के प्रमुख जो केंट ने इस्तीफा दे दिया है और ट्रंप के उन दावों को गलत बताया है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के बेहद करीब था।

ईरान को हुआ बड़ा नुकसान

- **नेतृत्व का सफाया:** हमलों में सुप्रीम लीडर खामेनेई, सुरक्षा प्रमुख अली लारिजानी, IRGC कमांडर-इन-चीफ मोहम्मद पाकपुर और रक्षा मंत्री अजीज नसीरजादेह मारे गए हैं। इसके अलावा खुफिया प्रमुख सलाह असादी और सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ सय्यद अब्दोलरहीम मुसावी की मौत ने ईरान के सुरक्षा तंत्र को झकझोर दिया है।
- **सैन्य क्षमता:** ईरान के मिसाइल अड्डों और ड्रोन विनिर्माण इकाइयों को भारी नुकसान पहुँचाया गया है। हिंद महासागर में ईरान का एक युद्धपोत भी डुबो दिया गया है।
- **आर्थिक प्रहार:** प्रमुख तेल बुनियादी ढांचों और 'साउथ पार्स' जैसे गैस क्षेत्रों पर हमलों ने ईरान की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी है।
- **जनहानि:** मानवाधिकार एजेंसियों के अनुसार, इस युद्ध में अब तक करीब 3,000 ईरानी नागरिक और सैनिक मारे जा चुके हैं।

'कायरों हम यह बात याद रखेंगे'

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार नाटो देशों पर निशाना साधा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर नाटो देशों को निशाने पर लेते हुए कहा, वे कायर हैं, क्योंकि वे ईरान युद्ध में शामिल नहीं हुए और न ही होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में मदद के लिए अपनी सेनाएं भेजीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिका के बिना नाटो एक कागजी शेर है! वे परमाणु शक्ति संपन्न ईरान को रोकने की लड़ाई में शामिल नहीं होना चाहते थे। उन्होंने यह भी कहा, अब जब वह लड़ाई सैन्य रूप से जीत ली गई है और उनके लिए खतरा भी बहुत कम है, तो वे तेल की उन ऊंची कीमतों की शिकायत कर रहे हैं जो उन्हें चुकानी पड़ रही हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने में मदद नहीं करना चाहते, जो कि एक साधारण सैन्य कदम है जिसकी वजह से तेल की कीमतें बढ़ी हैं। उनके लिए ऐसा करना कितना आसान है और इसमें जोखिम भी बहुत कम है। कायरों हम यह बात याद रखेंगे!

ईरान युद्ध में शामिल न होने पर नाटो देशों पर फिर भड़के ट्रंप

ट्रंप ने क्या की थी अपील?

अमेरिका-इस्राइल की तरफ से ईरान पर हमले के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों का आवागमन बड़े पैमाने पर प्रभावित हुआ है। इसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साथी देशों से अपील की थी और दावा किया वे किसी भी हालात में होर्मुज को खुला, सुरक्षित और मुक्त रखेंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर अपने एक पोस्ट में लिखा- कई देश जो ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के प्रयास से प्रभावित हैं, अमेरिका के साथ मिलकर उसे खुला और सुरक्षित रखने के लिए युद्धपोत भेजेंगे।

वन्यजीवों के घर उजाड़े तो गिरेगी गाज

चंबल अभयारण्य में अवैध खनन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, तीन राज्यों को नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध रेत खनन को लेकर गहरी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि संरक्षित क्षेत्र में वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को नष्ट करना एक गंभीर अपराध है। इसके लिए वन्यजीव संरक्षण अधिनियम समेत कई अन्य कानूनों के तहत सजा और जुर्माने का प्रावधान है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने इस मामले में राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि अगर अवैध खनन नहीं रुका, तो संबंधित विभागों के अधिकारियों को भी जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

दुर्लभ जीवों के अस्तित्व पर आया संकट

नेशनल चंबल सेंचुरी करीब 5,400 वर्ग किलोमीटर में फैली है और यह तीन राज्यों की सीमाओं को छूती है। यह इलाका लुप्तप्राय घड़ियालों, लाल सिर वाले कछुओं और गंगा की दुर्लभ डॉल्फिन का मुख्य ठिकाना है। कोर्ट ने उन मीडिया रिपोर्टों पर संज्ञान लिया है जिनमें बताया गया कि कैसे रेत खनन की वजह से इन जीवों के अंडे देने और रहने की जगह खत्म हो रही है।

राजस्थान सरकार के फैसले पर भी नजर

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान राजस्थान सरकार द्वारा अभयारण्य की करीब 732 हेक्टेयर जमीन को संरक्षित श्रेणी से बाहर करने के फैसले का भी जिक्र किया। कोर्ट ने कहा कि इन सभी पहलुओं पर राज्य सरकारों के जवाब मिलने के बाद विस्तार से विचार किया जाएगा। कोर्ट यह देखना चाहता है कि क्या सीमा बदलने के इस फैसले से वन्यजीवों के आवास पर कोई बुरा असर पड़ा है।

अफसरों पर होगी सीधी कार्रवाई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के वन, खनन और जल संसाधन विभागों के अधिकारी अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहे हैं। उनकी लापरवाही और सुस्ती की वजह से ही चंबल नदी के किनारे अवैध खनन फल-फूल रहा है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इन अधिकारियों को इस विनाश में मदद करने का दोषी माना जाएगा। अगर वे अवैध खनन को रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाते हैं, तो उन पर कानूनी गाज गिरना तय है।

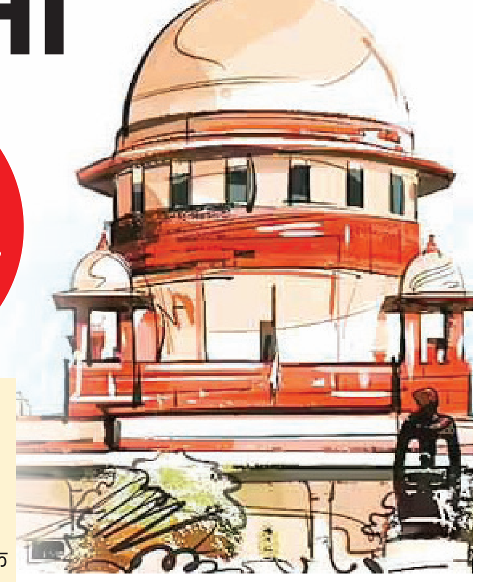

अगली सुनवाई 2 अप्रैल को होगी

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) को भी नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने दो वकीलों को न्याय मित्र नियुक्त किया है ताकि वे इस मामले में अदालत की मदद कर सकें। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने पिछले साल जिस इलाके में घड़ियाल छोड़े थे, वहां भी अवैध खनन की खबरें आई हैं। अब इस पूरे मामले की अगली सुनवाई 2 अप्रैल को होगी, जिसमें राज्य सरकारों को अपना पक्ष रखना होगा।

शिवराज ने ओलावृष्टि से हुए नुकसान पर राहत के दिए निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कई राज्यों में असमय बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान पर विस्तार से चर्चा की। प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द राहत देने के लिए तुरंत सर्वे और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वह नई दिल्ली स्थित कृषि भवन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ देशभर की कृषि स्थिति की व्यापक समीक्षा कर रहे थे। इस बैठक में चौहान ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीदी सुनिश्चित करने के लिए भी आवश्यक निर्देश जारी किए, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित और लाभकारी मूल्य मिल सके।कृषि मंत्री ने यह भी कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।

बंगाल के लिए ममता की 10 प्रतिज्ञा

- महिलाओं और युवाओं को मिलेंगे 18 हजार सालाना
- हर परिवार को मिलेगा पक्का घर

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 के लिए सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस की तरफ से चुनावी घोषणापत्र जारी किया गया। राजधानी कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी समेत तमाम नेताओं की मौजूदगी में ये चुनावी घोषणा पत्र जारी किया गया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए तृणमूल कांग्रेस ने अपना चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया है, जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने '10 प्रतिज्ञाओं' के जरिए राज्य के हर वर्ग को साधने की कोशिश की है। इस घोषणापत्र के तहत लक्ष्मी भंडार योजना की राशि बढ़ाकर सामान्य वर्ग के लिए 1500 और एससी/एसटी के लिए 1700 प्रति माह करने का वादा किया गया है, साथ ही 'बांग्लार युवा-साथी' योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को 1500 मासिक सहायता देने का एलान हुआ है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में 'दुआरे चिकित्सा' (घर-घर इलाज) और शिक्षा के लिए 'बांग्लार शिक्षायतन' योजना शुरू की जाएगी, जबकि कृषि के लिए 30,000 करोड़ का विशेष बजट आवंटित किया जाएगा। इसके अलावा, सरकार ने हर परिवार को पक्का मकान, पाइप से पीने का पानी, सात नए जिले बनाने और बंगाल को पूर्वी भारत के व्यापारिक प्रवेश-द्वार के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है।

सीएम ममता ने एक्स पर साझा किया घोषणापत्र

चुनावी घोषणापत्र को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'लक्ष्मी भंडार योजना के तहत, 500 की बढ़ोतरी के साथ, महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता मिलती रहेगी - सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को 1,500 (सालाना 18,000) और SC/ST लाभार्थियों को 1,700 (सालाना 20,400)। मैं 'बांग्लार युवा-साथी' योजना जारी रखूंगी, जिसके तहत बेरोजगार युवाओं को हर महीने 1,500 (सालाना 18,000) की वित्तीय सहायता दी जाएगी। मैं 30,000 करोड़ का 'कृषि-बजट' भी शुरू करने का वादा करती हूं, ताकि किसान परिवारों को लगातार सहायता मिलती रहे, भूमिहीन किसानों को सहारा मिले और कृषि क्षेत्र का समग्र विकास हो सके। इसके अलावा, मेरी सरकार हर ब्लॉक और शहर में सालाना 'दुआरे चिकित्सा' शिविर आयोजित करेगी, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं लोगों के दरवाजे तक प्रभावी ढंग से पहुंच सकें। मैं 'बांग्लार शिक्षायतन' योजना के तहत सभी सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे का समग्र विकास सुनिश्चित करूंगी।'

केरल चुनाव से पहले कांग्रेस में असंतोष

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

केरल विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद ने पार्टी के भीतर महिलाओं को कम टिकट मिलने का मुद्दा उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्हें टिकट नहीं मिला, लेकिन वे हारी नहीं हैं, बल्कि महिलाओं के हक के लिए आवाज उठा रही हैं। उन्होंने राहुल गांधी से अपील की कि वे केरल में कांग्रेस की महिला नेताओं की स्थिति पर ध्यान दें। शमा मोहम्मद ने आंकड़ों के जरिए बताया कि पार्टी ने 92 टिकटों में से सिर्फ नौ महिलाओं को मौका दिया है। वहीं 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 16 टिकटों में से केवल एक महिला उम्मीदवार को टिकट मिला था।

केरल में कांग्रेस ने 95 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

इस बीच, केरल में कांग्रेस के नेता और विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने जानकारी दी कि पार्टी ने 95 सीटों के लिए अपने सभी उम्मीदवार तय कर लिए हैं और अब चुनाव प्रचार शुरू किया जाएगा। दूसरी ओर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक भी हुई।

मिडिल ईस्ट में जंग के बीच रियाद में भारतीय नागरिक की मौत

नई दिल्ली। 18 मार्च को रियाद में एक भारतीय नागरिक की दुखद मौत पर भारतीय दूतावास ने अपनी संवेदना प्रकट की हैं। दूतावास मृतक के परिवार और स्थानीय अधकारियों के संपर्क में है, जिससे कि इस मामले में हर संभव मदद की जा सके। भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 18 मार्च को हुई हालिया घटनाओं के चलते रियाद में एक भारतीय नागरिक की दुखद मौत पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है। दूतावास मृतक के परिवार और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और हर संभव मदद के लिए प्रतिबिद्ध हैं।

चुनाव आयुक्त की नियुक्ति केस से सीजेआई हुए अलग

7 अप्रैल को नई बेंच करेगी सुनवाई

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार समिति से सीजेआइ को हटाने के 2023 के कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देनेवाली याचिकाओं की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। सीजेआइ सूर्यकांत का कहना है कि इस मामले में हितों का टकराव होगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शुक्रवार को जस्टिस जायमाल्या बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ की अध्यक्षता करते हुए कहा कि मुझ पर हितों के टकराव का आरोप लगाया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इस मामले की सुनवाई एक ऐसी खंडपीठ को करनी चाहिए, जिसमें कोई न्यायाधीश मुख्य न्यायाधीश बनने की कतार में नहीं हो।

सीजेआई ने दिए निर्देश

याचिकाकर्ताओं में से एक के लिए उपस्थित अधिवक्ता प्रशांत भूषण के सुझाव पर मुख्य न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि मामले को 7 अप्रैल को एक अन्य बेंच के सामने सूचीबद्ध किया जाए और संकेत दिया कि नई बेंच में वे न्यायाधीश होंगे जो मुख्य न्यायाधीश के पद को ग्रहण करने की कतार में नहीं हैं। खंडपीठ उन जनहित याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी।